



सब का सपना



गन्ने का मूल्य 600 प्रति विन्टल घोषित करने समेत किसानों की		पेज: 3		हॉलीवुड में रीमेक होने वाली पहली तमिल फिल्म बनी		पेज: 8	
वर्ष : 02	अंक : 171	शुक्रवार 25 सितंबर 2026	अमरोहा (उत्तर प्रदेश)	www.sabkasapna.com	पृष्ठ : 08	मूल्य: 2 रुपए	

जम्मू–कश्मीर विधानसभा की एलपीजी पर घमासान, 12 की जगह 6 सिलेंडर का ऐलान

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू–कश्मीर विधानसभा में गुरुवार को फी एलपीजी सिलेंडर को लेकर जोरदार हंगामा हुआ। फूड, सिविल सप्लाय और उपभोक्ता मंत्री सतीश शर्मा ने बताया कि राज्य सरकार ने योग्य परिवारों को 6 मुफ्त एलपीजी सिलेंडर देने की नीति को मंजूरी दे दी है। इस घोषणा पर विपक्ष ने तुरंत कड़ी आपत्ति जताकर आरोप लगाया कि उमर सरकार अपने वादे से मुकर गई है। नेता शर्मा ने याद दिलाया कि लगभग दो साल पहले सरकार ने हर घर के लिए 12 मुफ्त एलपीजी सिलेंडर देने का ऐलान किया था। उन्होंने कहा कि वादे की संख्या को घटाकर 6 करना लोगों के साथ मजाक और बड़ा धोखा है। सदन में विपक्ष ने झुट्टी सरकार और यह धोखा है जैसे नारे लगाए। शर्मा ने सरकार पर लोगों के सामने बेनकाब होने और अपने वादे पूरे न करने का आरोप लगाया। उन्होंने पूछा कि उमर सरकार के एक लाख नौकरियों के पहले के वादे का क्या हुआ। तौखी बहस के बाद भी, विपक्ष ने कार्यवाही के दौरान लगातार नारेबाजी जारी रखी, जिससे सदन में गहमागहमी बनी रही।

गाड़ी टकराने पर अभिषेक बनर्जी ने पुलिसकर्मी को कराया सरस्पेंड, कोर्ट ने किया बहाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने निर्बाध चल रहे एक पुलिसकर्मी को करीब 6 साल सरस्पेंड होने के बाद बहाल कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी की नाराजगी के चलते उन्हें हटाया गया था। हालांकि, इसे लेकर आधिकारिक रूप से कुछ नहीं कहा गया है। अभिषेक बनर्जी विदेश में आख का इलाज कराने गए थे। रिपोर्ट के मुताबिक मामला 2023 का है। तब पुलिस इन्डवर अपनी कार निकाल रहे थे। उस दौरान गाड़ी अभिषेक बनर्जी के कारोलाघट स्थित आवास के गेट से टकरा गई थी। इसके बाद उन्हें काम से हटा दिया गया था। खबर है कि राज्य सरकार के फैसले को हाईकोर्ट ने पलट दिया। रिपोर्ट के मुताबिक हाई कोर्ट में जस्टिस तपोब्रता चक्रवर्ती और जस्टिस पार्थ प्रतिम रॉय की डिवीजन बेंच इस मामले की सुनवाई कर रही थी। बेंच ने पुलिस विभाग को चार सप्ताह के अंदर नए आदेश जारी करने को कहा है। कोर्ट ने कहा कि पुलिसकर्मी ने गलती की थी, लेकिन गलती इतनी गंभीर नहीं थी कि उसे काम से ही हटा दिया जाए। कोर्ट ने यह भी कहा कि ऐसे भी कोई आरोप नहीं हैं कि हादसे में कोई घायल हो गया था। बेंच ने कहा कि इस मामले में कम सजा देने की भी गुंजाइश थी। रिपोर्ट के मुताबिक ड्राइवर का नाम धीरेन्द्रनाथ मस्ती है और उन्होंने साल 2000 में एक ड्राइवर के तौर पर कोलकाता पुलिस में शुरूआत की थी। बाद में 2005 में उन्हें हार्ट अटैक आया और उन्हें हल्की और मध्यम स्तर की जिम्मेदारियां दी जाने लगी थीं।

प्रियंका गांधी तीखा वार : लोकतांत्रिक प्रक्रिया से छेड़छाड़ देश के साथ गद्दारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाझा ने चुनाव आयोग की कार्यणाली और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर जारी विवाद के बीच आयोग पर हमलावार है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव की लोकतांत्रिक प्रक्रिया के साथ छेड़छाड़ करना देश के साथ गद्दारी के समान है। प्रियंका गांधी वाझा ने कहा कि मतदाता सूची में कथित हेरफेर और बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटैया जाना, जो रिपोर्ट के अनुसार 13 करोड़ से अधिक हो सकता है, लोकतंत्र, संविधान और देश के खिलाफ एक आपराधिक कृत्य है। प्रियंका गांधी का यह बयान एक रिपोर्ट के बाद आया है, जिसमें दावा किया गया है कि दो चुनाव आयुक्तों, सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने बीते दस महीनों में आयोग के कुछ फैसलों पर करीब 14 बार आपत्तियां दर्ज कराई थीं, जिसमें एसआईआर से संबंधित फैसले भी शामिल थे। उन्होंने कहा कि जो कोई भी चुनाव की लोकतांत्रिक प्रक्रिया से छेड़छाड़ करता है, वह देश के साथ गद्दारी कर रहा है। प्रियंका ने सवाल उठाया कि अगर किसी चुनाव आयुक्त की जानकारी में कोई गैरकानूनी काम हुआ है, वह देश के कानूनी सुरक्षा क्यों मिलनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्य चुनाव आयुक्त को इन कथित अनियमितताओं की जानकारी थी और उनके सहयोगी चुनाव आयुक्तों ने भी इस पर ध्यान दिलाया था, लेकिन इसके बावजूद इन आपत्तियों को नजरअंदाज किया गया। प्रियंका गांधी ने मांग की कि यदि किसी चुनाव आयुक्त ने गैरकानूनी काम किया है, तब उसके खिलाफ भी अच्य मामलों की तरह आपराधिक कार्रवाई होनी चाहिए। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने चुनाव आयोग पर सवाल उठाकर कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पहले जो बातें कही थीं, वे अब सही साबित हो रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग की पूरी प्रक्रिया को दूषित किया गया है और दो चुनाव आयुक्तों ने असहमति व्यक्त की थी, जबकि आयोग असहमति न होने की बात कह रहा है। कांग्रेस सांसद मसूद ने पश्चिम बंगाल में एसआईआर के कारण चुनाव प्रभावित होने का भी आरोप लगाया। हालांकि, इन आरोपों के जवाब में चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि बहु–सदस्यीय आयोग में लिखित टिप्पणियां, सुझाव और आपत्तियां आंतरिक विचार–विमर्श का सामान्य हिस्सा हैं। आयोग का कहना है कि एसआईआर समेत सभी प्रमुख फैसले पूर्ण आयोग की सर्वसम्मति से लिए गए हैं।

यूएनएससी सीट के लिए कैरिकॉम करेगा भारत का समर्थन, एफएमएम बैठक में किया वादा

नई दिल्ली: विदेश मंत्रालय (एमईए) ने गुरुवार को बताया कि न्यूयॉर्क में बुधवार को 81वीं यूएनजीए (संयुक्त राष्ट्र महासभा) से इतर भारत-कैरिकॉम विदेश मंत्रियों की बैठक (एफएमएम) में वैश्विक स्तर पर अपने संबंधों को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई गई। विदेश मंत्री एस. जयशंकर और सूरीनाम के विदेश मामलों, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और सहयोग मंत्री मेल्विन डब्ल्यू. जे. बौवा ने इस बैठक की सह-अध्यक्षता की। यह बैठक नवंबर 2024 में गुयाना में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कैरिकॉम साझेदारों की अध्यक्षता में हुई दूसरे भारत-कैरिकॉम शिखर सम्मेलन की फॉलो-अप बैठक थी। बैठक के दौरान, कैरेबियाई देशों के 15-सदस्यीय कैरिकॉम समूह के सह-अध्यक्ष ने यूएनएससी के 2028-29 कार्यकाल के लिए भारत की उम्मीदवारी का समर्थन करने के फैसले से अवगत कराया। भारत-कैरिकॉम विदेश मंत्रियों की बैठक (एफएमएम) में बारबाडोस, डोमिनिका, बहामास, गुयाना, जमैका, सेंट विंसेंट



और ग्रेनाडाइन्स, त्रिनिदाद और टोबैगो, सूरीनाम, हैती, सेंट लूसिया, सेंट क्रिस्ट एंड नेविस, एंटीगुआ और बारबुडा के विदेश मंत्रियों; ग्रेनाडा के वित्त मंत्री; बेलीज के विदेश मामलों के मंत्रालय के सीईओ और कैरिकॉम की महासचिव काराली नताली बार्नेट ने भाग लिया। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने इस बैठक से जुड़ी जानकारी एक बयान जारी कर दी।

बताया, हूबैठक के दौरान, दोनों पक्षों ने भारत और कैरिकॉम देशों के बीच सहयोग में हुई लगातार प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। दोनों पक्षों ने राजनीतिक जुड़ाव को गहरा करने; व्यापार और निवेश बढ़ाने; कृषि और खाद्य सुरक्षा, डिजिटल गवर्नेंस, जलवायु लचीलेपन और ऊर्जा सहयोग में सहयोग पर चर्चा की। बयान में आगे कहा गया, कैरिकॉम

साझेदारों ने इस क्षेत्र में भारत की मदद और दक्षिण-दक्षिण सहयोग को बढ़ावा देने के प्रयासों की सराहना की। दोनों पक्षों ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर आपसी सहयोग पर चर्चा की। वे संयुक्त राष्ट्र में सुधार, जलवायु परिवर्तन से निपटने के साथ-साथ आतंकवाद और अंतरराष्ट्रीय अपराधों जैसे वैश्विक मुद्दों पर मिलकर काम जारी रखने पर सहमत हुए। विदेश

आईआईटी बॉम्बे के छात्र साहिल के परिजनों से राहुल गांधी ने की फोन पर बात

-परिवार का किया समर्थन और न्याय दिलाने हर संभव मदद का दिलाया भरोसा

नई दिल्ी , एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आईआईटी बॉम्बे के छात्र साहिल वाकोडे के परिजनों से बातचीत की। छात्र साहिल ने पिछले हफ्ते आईआईटी पर्वई परिसर में आत्महत्या कर ली थी। महाराष्ट्र कांग्रेस ने गुरुवार को जानकारी देते हुए बताया कि राहुल गांधी ने आईआईटी बॉम्बे के छात्र साहिल वाकोडे के परिजनों से फोन पर बातचीत की है। राहुल ने पीडित परिवार को अपना समर्थन दिया और न्याय दिलाने में हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। इस मामले को लेकर गुक्वार दोपहर में यूथ कांग्रेस प्रेस कॉन्फ्रेंस भी करेगी। इसमें

साहिल वाकोडे मामले को लेकर आगे की रणनीति और आंदोलन की दिशा की घोषणा किए जाने की संभावना है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक साहिल की मौत के बाद उनके परिवार ने आईआईटी बॉम्बे प्रशासन और कुछ अधिकारियों के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए हैं। मामले की जांच फिलहाल मुंबई पुलिस की फ़्राइम ब्रांच कर रही है। विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभाग में द्वितीय वर्ष का छात्र था। संस्थान का कहना है कि वाकोडे ने परीक्षा के दौरान चैटजीपीटी से सवालों का जवाब पाने की कोशिश की। रिपोर्ट के मुताबिक परीक्षा प्रशिक्षक और विभाग के प्रमुख ने छात्र से इस मामले पर बातचीत की।

लद्दाख्र के लिए वांगचुक की पदयात्रा, सीजेपी के बड़े नेता नदारद

उपराज्यपाल ने वापस लिए 20 केस

नई दिल्ली, एजेंसी। कांकोचर जनता पार्टी (सीजेपी) के आंदोलन में 26 दिनों तक अनशन करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को बदले में वह व्यापक साथ नहीं मिला, जिसके लिए उन्होंने आवाज लगाई थी। सोनम वांगचुक की लद्दाख्र पदयात्रा में हिस्सा लेने के लिए सीजेपी का एक भी बड़ा नेता लद्दाख्र नहीं गया। अभिजीत दीपके, सौरभ दास या आशुतोष रांका जैसे नेताओं ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर समर्थन की बात तो कही थी, लेकिन खुद वहां जाने से परहेज कर गए।

लद्दाख्र को पूर्ण राज्य का दर्जा देने और छत्ती अरुंधती के तहत संवैधानिक सुरक्षा उपायों के मांग को लेकर विरोध-प्रदर्शन के दौरान 24 सितंबर 2025 को केंद्र शासित प्रदेश में हिंसा हुई थी, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी। इसकी पहली बरसी के उपलक्ष्य में जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने



बुधवार को लेह में एक प्रतीकात्मक पदयात्रा का नेतृत्व किया। 24 सितंबर को शहीद दिवस के रूप में मनाने का ऐलान किया गया है। इससे पहले सोनम वांगचुक ने 19 से 24 सितंबर तक पदयात्रा की घोषणा की थी। हूप कांकोरोचों (सीजेपी सदस्यों) के भी अरुंधती के तहत संवैधानिक सुरक्षा उपायों की मांग को लेकर विरोध-प्रदर्शन के दौरान 24 सितंबर 2025 को केंद्र शासित प्रदेश में हिंसा हुई थी, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी। इसकी पहली बरसी के उपलक्ष्य में जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने

सौरभ दास और आशुतोष रांका ने लद्दाख्र के समर्थन की बात सोशल मीडिया पर लिखी थी। हालांकि, इनमें से किसी नेता ने ना तो लद्दाख्र जाने की घोषणा की थी और ना ही इनकार किया था। बाद में वांगचुक ने खराब मौसम को देखते हुए चार दिन की यात्रा स्थगित कर दी और सिर्फ 23 सितंबर को एक दिन की पदयात्रा की घोषणा की। बुधवार को जब कुछ दर्जन यात्रियों के साथ वांगचुक लेह की ओर रवाना हुए तो उनके साथ लद्दाख्र के अलावा कुछ दूसरे प्रदेशों से आए लोग भी थे। हालांकि, सीजेपी नेता अभिजीत दीपके, सौरभ दास या आशुतोष काका वहां नजर नहीं आए। पदयात्रा के दौरान एक न्यूज एजेंसी से बात करते हुए वांगचुक ने कहा कि उन्होंने एक बार अधिक से अधिक लोगों के आने की अपील की थी, लेकिन बाद में इस पर अधिक जोर नहीं दिया, जो आए उनका स्वागत किया गया है।

करीब पांच करोड़ लोग आ सकते हैं भुखमरी के संकट की चपेट में

नई दिल्ली, , एजेंसी। एशिया महाद्विप में करीब पांच करोड़ लोग भुखमरी के संकट की चपेट में आ सकते हैं। यह चेतावनी दी है विश्व खाद्य कार्यक्रम ने। अल नीनो के मजबूत होने की चेतावनियों के बीच खाद्य सुरक्षा, पानी की उपलब्धता और कृषि उत्पादन पर दबाव बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। वहीं संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने भी अल नीनो के बढ़ते प्रभाव को लेकर चिंता जताई है। वैज्ञानिकों के अनुसार प्रशांत महासागर के असामान्य रूप से गर्म होने वाली और जलवायु परिवर्तन का प्रभाव मिलकर स्थिति को और गंभीर बना सकता है। भारत में भी मानसून के दौरान इसके संकेत दिखाई देने की बात कही जा रही

है। जून से सितंबर के बीच कई क्षेत्रों में बारिश सामान्य से कम रही है। महाराष्ट्र के कुछ जिलों में सूखे जैसे हालात बनने की आशंका जताई गई है। इसका असर खरीफ फसलों पर पड़ सकता है। चावल, दाल, कपास और मक्का जैसी फसलों का उत्पादन प्रभावित होने पर आने वाले महीनों में खाद्य कीमतों पर दबाव बढ़ सकता है। इसका सबसे अधिक असर कम आय वाले परिवारों पर पड़ने की आशंका है। भारत सरकार ने संभावित स्थिति से निपटने के लिए संवेदनशील जिलों में जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन जोर दिया है। किसानों को कम पानी में तैयार होने वाली और कम अवधि की फसलों की ओर बढ़ने के लिए

प्रोत्साहित किया जा रहा है। दलों और बाज़र जैसी फसलों को भी विकल्प के तौर पर बढ़ावा देने की बात कही गई है। श्रीलंका में भी सूखे का असर गंभीर बताया जा रहा है। एक लाख साठ हजार से अधिक लोगों के पेयजल संकट से प्रभावित होने की बात सामने आई है। कई जलाशयों में पानी का स्तर घट गया है। कुछ क्षेत्रों में पशुओं और वन्यजीवों के लिए टैंकरों से पानी पहुंचाया जा रहा है।

देश की आपदा प्रबंधन एजेंसी समुद्री पानी को पीने योग्य बनाने की योजना पर भी काम कर रही है, हालांकि उसकी मौजूदा क्षमता सीमित है। दक्षिण-पूर्व एशिया में चावल उत्पादन को लेकर भी चिंता है। क्षेत्रीय उत्पादन में आठ से दस

प्रतिशत तक गिरावट का अनुमान बताया गया है। इंडोनेशिया और फिलीपींस जैसे देशों में परिवारों की आय का बड़ा हिस्सा भोजन पर खर्च होता है। ऐसे में उत्पादन घटने से कीमतों में वृद्धि का असर सीधे घरेलू बजट पर पड़ सकता है। पूर्वी एशिया में भी गर्मी, भारी बारिश और तूफानों का खतरा बना हुआ है। दक्षिण कोरिया में सूखे के बाद अचानक भारी बारिश देखने को मिली। जापान में कई स्थानों पर तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंचने की घटनाएं सामने आई हैं। चीन, हांगकांग और ताइवान में भी अत्यधिक गर्मी और जलवायु जोखिम से निपटने के लिए तैयारियां की जा रही हैं।



विदेश मंत्री ने आगे कहा, जिन छोटे एवं मझोले उद्यमों (एसएमई) और त्वरित प्रभाव वाली परियोजनाओं के लिए भारत ने प्रतिबद्धता जताई थी....

मंत्री जयशंकर ने कैरिकॉम नेताओं को उनके भरोसे और समर्थन के लिए धन्यवाद दिया और भरोसा दिलाया कि भारत ग्लोबल साउथ की एक मजबूत आवाज बनेगा। बैठक के बाद, विदेश मंत्री जयशंकर ने एक्स पोस्ट में कहा, भारत ने इस बात पर जोर दिया कि हमें खासकर आर्थिक, डिजिटल एवं आवागमन के क्षेत्रों में अपने संबंधों को और मजबूत करना चाहिए। विदेश मंत्री ने आगे कहा, जिन छोटे एवं मझोले उद्यमों (एसएमई) और त्वरित प्रभाव वाली परियोजनाओं के लिए भारत ने

प्रतिबद्धता जताई थी, उनमें से कई कैरेबियाई देशों में पूरी हो चुकी हैं, जबकि कुछ में अभी काम जारी है। उन्होंने बताया कि भारत ने अंग प्रतिरोपण एवं कृत्रिम अंग लगाने के लिए शिबिर आयोजित किए हैं, कुछ कैरिकॉम साझेदार देशों को हीमोडायलिसिस इकाइयां उपहार में दी हैं और कॉमैक्ट चिकित्सा उपकरण भीष्म क्यूब इकाइयां उपलब्ध कराई हैं। उन्होंने कैरिकॉम देशों से भारत द्वारा उपलब्ध कराए गए प्रशिक्षण के अवसरों का उपयोग करने का भी आग्रह किया और उनकी रुचि वाले क्षेत्रों में उनके अनुसार प्रशिक्षण कार्यक्रमों की पेशकश की। कैरिबियन कम्युनिटी संगठन को आमतौर पर कैरिकॉम कहा जाता है। इसके तीन देशों, सूरीनाम, त्रिनिदाद और गुयाना में भारतीय मूल के लोगों की काफी आबादी है। बाकी देशों की तरह, भारत का भी उपनिवेश बनने का इतिहास रहा है। कैरिकॉम देशों को भारत की मदद का निवेदन है। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि इससे उस इलाके में सोलर पावर लगाने को बढ़ावा मिला है।

अखिलेश भी मान रहे हैं भगवा ही जीतेगा, इसलिए पीडीए रथ भी भगवा रंग में है

बीजेपी नेता दयाशंकर ने रायबरेली से पीडीए रथ यात्रा को लेकर साधा निशाना



बढ़ते रुझान को देखते हुए अखिलेश ने अपने पीडीए रथ को भी भगवा रंग में बना दिया है। उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश की सत्ता में तीसरी बार योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बीजेपी की वापसी होगी। भगवा रंग को लेकर प्रदेश की जनता में

रहे हैं कि भगवा ही जीतेगा, इसलिए उनका रथ भी भगवा रंग में है। बता दें अखिलेश यादव आज रायबरेली में पहली बार पीडीए रथ चलाकर विधानसभा चुनाव की तैयारी को गति देंगे। अपने सहयोगी दल कांग्रेस के गढ़ रायबरेली से

महुआ बोलीं– आयुक्तों को डरने की जरूरत नहीं है हम हैं न...

नई दिल्ली, एजेंसी। चुनाव आयोग में कथित मतभेद को लेकर विपक्ष की ओर से सवाल उठाए जाने का सिलसिला जारी है। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा ने चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी से किसी भी तरह के दबाव के आगे नहीं झुकने की अपील की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर जारी वीडियो संदेश में कहा कि दोनों आयुक्तों को अपने निर्णयों में स्वतंत्रता बनाए रखनी चाहिए। महुआ मोइत्रा ने दावा किया कि सरकार दोनों चुनाव आयुक्तों, उनके परिवार और सहयोगियों पर दबाव बनाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि उनकी अपील किसी राजनीतिक पद पर रहते हुए सामान्य हिस्सा बताते हुए कहा है पर है। महुआ ने अपने राजनीतिक

जीवन में सदस्यता समाप्त होने और जांच एजेंसियों की कार्रवाई का उल्लेख करते हुए कहा कि वह दबाव के आगे नहीं झुकी थीं। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा ने चुनाव आयुक्तों से भी इसी तरह अपने फैसलों पर कायम रहने की अपील की। महुआ ने कहा कि मौजूदा समय में नहीं झुकने की अपील की है। इतिहास के संदर्भ में भी देखा जाएगा। उन्होंने लोकतांत्रिक संस्थाओं की भूमिका का उल्लेख करते हुए आयुक्तों से पीछे नहीं हटने का आग्रह किया। इस बीच कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भी चुनाव आयोग की ओर से दिए गए स्पष्टीकरण को लेकर कई सवाल उठाए हैं। आयोग ने आंतरिक टिप्पणियों को निर्णय प्रक्रिया का सामान्य हिस्सा बताते हुए कहा है कि पिछले एक साल में लिए गए

सभी फैसले सर्वसम्मति से हुए हैं। थरूर का कहना है कि सर्वसम्मति से अंतिम निर्णय होने की जानकारी से प्रक्रिया के दौरान उड़ाई गई आपत्तियों से जुड़े सवालों का पूरी तरह जवाब नहीं मिलता। उन्होंने पूछा कि क्या कथित 14 आपत्तियां वास्तव में दर्ज की गई थीं और यदि दर्ज हुई थीं तो प्रत्येक पर क्या निर्णय लिया गया। थरूर ने फॉर्म-6 में बदलाव के कानूनी आधार तथा मतदाता सूची से जुड़े आंकड़ों तक पहुंच को लेकर भी स्पष्टीकरण मांगा है। उन्होंने गोवा में कथित 97 मतदाताओं से जुड़े मामले और बहाल किए गए मतदाताओं के खिलाफ दायर अपीलों को लेकर भी सवाल उठाए। थरूर ने चुनाव आयोग से इन सभी मुद्दों पर बिंदुवार और दस्तावेजी जवाब देने की मांग की है।

संपादकीय

ख़ुद दवा लेने का रोग

विकसित व पश्चिमी देशों में गंभीर रोगों और सर्जरी तक में कम से कम दवा देने की नीति का सख्ती से पालन किया जाता है। इसके उलट हमारे देश में खांसी-जुकाम व सामान्य बुखार में भी पेनकिलर्स और एंटीबायोटिक्स का जमकर इस्तेमाल किया जाता है। हम मेडिकल स्टोरों से दवा खरीद लाते हैं और खुद ही चिकित्सक बन जाते हैं। यही वजह है कि एंटीबायोटिक्स के अंधाधुंध इस्तेमाल के कारण तमाम रोगियों पर ये दवाइयां कालांतर असर नहीं करती हैं। जो एक गंभीर चिकित्सीय खतरों की ओर इशारा करती है। ऐसे में दर्द कम करने वाली दवाओं यानी पेनकिलर्स और एंटीबायोटिक्स के अंधाधुंध इस्तेमाल को रोकने के लिये सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन की हालिया सलाह, पब्लिक हेल्थ संकट की गंभीरता को ही दर्शाती है। यह विडंबना ही है कि जिन दवाओं का इस्तेमाल बेहद जरूरी होने तथा डॉक्टर की सलाह पर होना चाहिए, उन्हें हम अक्सर बचाव के तौर पर या मामूली संक्रमण के लिये भी लेने लगते हैं। दरअसल, हमारे शरीर का जैविक सुरक्षातंत्र खासा मजबूत होता है, जो मामूली संक्रमण व बीमारियों से खुद ही निबट सकता है। लेकिन उसकी प्रक्रिया कुदरती तौर पर धीमी होती है। यह बेहद चिंता की बात है कि एंटीबायोटिक्स के जरूरत से ज्यादा और गलत इस्तेमाल की प्रवृति ने देश को ग्लोबल एंटीमाइक्रोबियल रजिस्ट्रेंस संकट के केंद्र में ला खड़ा किया है। इस संकट की एक बड़ी वजह यह भी है कि इन दवाओं के दुरुपयोग को लेकर आम लोगों की जानकारी बेहद कम है। जिसका लाभ आधी-अधूरी डिग्रियों वाले नीम-हकीम उठाते हैं और जल्दी ठीक करने का दावा करके मरीजों से कमाई करते हैं। लोग इस बात से वाकिफ नहीं होते कि इन दवाओं के बुरे असर यानी दवा के विपरीत रिश्कशन से किडनी आदि की दिक्कतें पैदा हो सकती हैं। इसके अलावा हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता पर अधिक दवाइयां लेने का नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

दरअसल, बिना चिकित्सक के परामर्श के दवाइयों की सहज उपलब्धता तथा लोगों में बढ़ती सेल्फ-मेडिकेशन की प्रवृति ने भी इस संकट को बढ़ाया है। इस संकट का एक पहलू यह भी है कि कुछ चिकित्सकों में भी जरूरत से ज्यादा दवाइयां लिखने और ज्यादा पैसे वसूलने की प्रवृति पावी जाती है। ऐसी गलत प्रथाओं ने मेडिकल सिस्टम के प्रति लोगों में अविश्वास भी पैदा किया है। वहीं गरीबी के चलते पैसे की तंगी, सांस्कृतिक मान्यताओं और केमिस्टों के अनौपचारिक डॉक्टर के तौर पर बेरोकटोक काम करने से भी इस समस्या को बढ़ावा मिला है। अकसर यह महसूस किया जाता है कि देश की पूरी हेल्थकेयर श्रृंखला में पेशागत आचार-सहिता की नितांत कमी है। वहीं दूसरी ओर नियामक संस्थाओं की सख्त निगरानी पूरी तरह नदारद नजर आती है। सही मायने में प्रभावी बदलावों के लिये प्रोटोकॉल में कई स्तरों पर सुधार की जरूरत होगी। जिसमें सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण पंजीकृत मेडिकल प्रैक्टिशनर्स का व्यवहार नैतिक और जिम्मेदार होना है। निश्चय ही आज के समय में यह बेहद गंभीर चुनौती है क्योंकि इस वर्ग में अंधा मुनाफा कमाने की प्रवृति लगातार अनियंत्रित होती नजर आ रही है। जिसके चलते कमजोर वर्ग से आने वाले मरीज खुद ही बीमारी का अंदाजा लगाने और डॉक्टर की सलाह के बिना इलाज करने की दिशा में बढ़ जाते हैं। जब तक रोग बेहद गंभीर स्थिति में न पहुंच जाए, तब तक मरीज डॉक्टर के पास जाने से बचने की कोशिश करते हैं। वास्तव में किसी रोगी के उपचार के लिये लिखी गई दवाइयों की सख्ती से जांच करने की जरूरत है। लेकिन सिर्फ फार्मेसी में सीसीटीवी कैमरे लगाने से काम नहीं चलेगा। वैसे यह भी हकीकत है कि इस बाबत सख्त गाइडलाइंस जारी करने पर, इससे बचाव के चक्कर में दवाइयों की कीमतें भी बढ़ सकती हैं। वक्त की मांग है कि नागरिकों को सेल्फ-मेडिकेशन और एंटीबायोटिक्स रजिस्ट्रेंस के खतरों के बारे में जागरूक करने के लिये देशव्यापी अभियान चलाया जाए। हालांकि, रातों-रात दांचागत कमियां दूर न होंगी और आदतें बदलने में समय लगेगा। लेकिन हेल्थकेयर व फार्मास्यूटिकल सेक्टर को भी मुनाफे के बजाय मरीजों के हितों को प्राथमिकता देनी होगी।

सूक्ति

अभिव्यक्ति की कूशल शक्ति ही तो कला है।

- मैथिलीशरण गुप्त

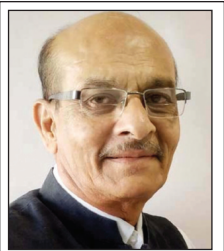
देशभक्त जननी की सच्ची संतान हैं।

- जयशंकर प्रसाद

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552



सनत जैन

सुप्रीम कोर्ट ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से तुणमूल कांग्रेस के 20 सांसदों की अयोग्यता संबंधी याचिकाओं पर जल्द फैसला लेने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने अपेक्षा जताई है, जल्द से जल्द इस मामले में स्पीकर फैसला करेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने कोई समय सीमा तय नहीं की। यह जरूर कहा, सुप्रीम कोर्ट लोकसभा अध्यक्ष को निर्देश नहीं दे सकती है। जल्द से जल्द मामला निपटने की याद जरूर दिला सकती है। ऐसी याद दिलाने का कोई असर नहीं होता है। जब भय ही नहीं होगा, तो इस तरह के निर्देश का कभी पालन भी नहीं होगा। टीएमसी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता और सांसद कल्याण बनर्जी ने सुप्रीम कोर्ट में कहा 2कि नोटिस के बावजूद भी सांसदों ने कोई जवाब नहीं दिया। सलिस्टर जनरल तुषार मेहता ने कहा, लोकसभा अध्यक्ष नोटिस जारी कर चुके हैं। वहीं बाकी सांसदों 2कि ओर से पेश वकीलों ने कहा, वह चार सप्ताह के अंदर नोटिस का



कुमार कृष्ण

भारत में पानी का संकट केवल पानी की कमी का संकट नहीं है। यह पानी के असमान वितरण, बदलते वर्षा-चक्र, गिरते भूजल, बढ़ती मांग और नदियों को देखने की हमारी दृष्टि का भी संकट है। एक ही देश में कहीं बाढ़ जीवन और आजीविका बहा ले जाती है तो कहीं लोग पीने और सिंचाई के पानी के लिए तरसते हैं। सवाल केवल यह नहीं है कि पानी कितना है, बल्कि यह भी है कि हम उसके साथ कैसा व्यवहार कर रहे हैं। नई दिल्ली के भारत मंडपम में नौवें इंडिया इंटरनेशनल वाटर वीक-2026 के उद्घाटन समारोह में उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने जल को जीवन और सभ्यताओं का आधार बताया। 22 से 26 सितंबर तक चल रहे इस आयोजन की थीम हज़लवायु-अनुकूल जल प्रबंधनहू है। थीम जितनी सामयिक है, उससे बड़ा सवाल भी उतना ही सीधा है—जब जलवायु बदल चुकी है तो हमारी जल नीति कब बदलेगी? उपराष्ट्रपति ने भारत की जल-विषमता की ओर ध्यान दिलाते हुए कहा कि दुनिया की कुल भूमि का लगभग 2.4 प्रतिशत भारत में है, जबकि दुनिया की करीब 18 प्रतिशत आबादी यहां रहती है और मीठे पानी के वैश्विक संसाधनों में भारत की हिस्सेदारी लगभग चार

आरत की विकास यात्रा आज ऐसे दौर में है, जब आर्थिक शक्ति, तकनीकी क्षमता, डिजिटल परिवर्तन और वैश्विक प्रभाव के नए अध्याय लिखे जा रहे हैं। 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.8 प्रतिशत दर्ज की गई है और देश को विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में देखा जा रहा है। लेकिन किसी राष्ट्र की वास्तविक समृद्धि केवल उसके सकल घरेलू उत्पाद, ऊंची इमारतों, आधुनिक सड़कों या वैश्विक रैंकिंग से तय नहीं होती। उसकी सबसे बड़ी कसौटी यह है कि विकास की रोशनी उस व्यक्ति तक कितनी पहुंची है, जो विकास की कतार में सबसे पीछे खड़ा है। यहीं से अंत्योदय का विचार प्रासंगिक होता है। हर वर्ष 25 सितंबर को अंत्योदय दिवस मनाया जाता है। यह दिन पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती का दिन है और 25 सितंबर 2014 को भारत सरकार ने इसे अंत्योदय दिवस के रूप में घोषित किया था। इसी अवसर पर दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना को भी शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य ग्रामीण गरीब युवाओं को कौशल और रोजगार के अवसरों से जोड़ना था। इसलिए अंत्योदय दिवस केवल किसी महापुरुष की स्मृति का दिवस नहीं, बल्कि विकास की दिशा और उसकी प्राथमिकताओं पर पुनर्विचार करने का अवसर है।

'अंत्योदय' दो शब्दों से बना है-'अंत्य' अर्थात सबसे अंतिम और 'उदय' अर्थात उत्थान। लेकिन इसका अर्थ केवल किसी गरीब व्यक्ति को सहायता देना नहीं है। अंत्योदय का व्यापक अर्थ है-ऐसी व्यवस्था का निर्माण जिसमें कोई व्यक्ति अवसरों से वंचित न रहे, कोई परिवार बुनियादी सुविधाओं के अभाव में पीछे न छूटे और विकास की प्रक्रिया का लाभ समाज के अंतिम छोर तक पहुंचे। दीनदयाल उपाध्याय के 'एकात्म मानववाद' में मनुष्य केवल आर्थिक उत्पादन की इकाई नहीं है। उसके शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा-सभी का संतुलित विकास आवश्यक है। यही अंत्योदय का केवल कल्याणकारी कार्यक्रम से आगे ले जाकर मानव-केंद्रित विकास-दर्शन बनाता है। आज प्रश्न यह नहीं है कि भारत विकास कर रहा है या नहीं। प्रश्न यह है कि भारत के विकास का लाभ किस गति से, किस गहराई से और किस अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। यही वह प्रश्न है जो अंत्योदय दिवस को 2026 में और अधिक महत्वपूर्ण बनाता है।

भारत 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। यह लक्ष्य केवल आर्थिक आकार बढ़ाने का लक्ष्य नहीं हो सकता। विकसित भारत का अर्थ विकसित गांव, सक्षम नागरिक, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुलभ स्वास्थ्य, समानजनक रोजगार, सामाजिक सुरक्षा, डिजिटल पहुँच,

विचार मंथन

टीएमसी के 20 बागी सांसद, तारीख पर तारीख का खेल?

जवाब दाखिल कर देंगे। कुल मिलाकर तारीख पर तारीख का यह खेल कोई नई बात नहीं है। दल-बदल कानून के अंतर्गत दल बदलने वाले सांसदों और विधायकों की अयोग्यता को लेकर महाराष्ट्र से जो खेल शुरू हुआ था, सारे देश ने उसका हथ्र देख लिया है। महाराष्ट्र के मामले में भी इसी तरह से तारीख पर तारीख का खेल चला था। विधानसभा अध्यक्ष ने कई महीनों तक फाइल को अपने पास दबा के रखा था। इसी बीच चुनाव आयोग भी एक-दूसरे की मदद कर रहे थे। चुनाव आयोग, सुप्रीमकोर्ट और विधानसभा/लोकसभा अध्यक्ष के बीच में इसी तरह का खेल कई बार पहले भी खेला जा चुका है। समय निकलने के बाद इस तरह की याचिकाओं का कोई मतलब नहीं रह जाता है। यह फैसला इसी तरह का हुआ, जब आदमी मर गया, तब उसके मामले में फैसला आया। उसके मरने के कारण फाइल बंद कर दी गई? लेकिन उसे समय पर न्याय नहीं मिला। महाराष्ट्र की लंबित दल-बदल याचिकाओं पर कानूनी बहस सुप्रीम कोर्ट में चल रही है। यह धारणा बनती चली जा रही है। दलबदल जैसे संवेदनशील मामले में हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट विवाद और दबाव से बचने के लिए तारीख पर तारीख का खेल खेलते हैं। विशेष रूप से उन मामलों में जहां लाभान्वित पक्ष भाजपा हो। तेलंगाना में एक विधायक के दलबदल मामले में तेलंगाना हाईकोर्ट ने फटाफट फैसला सुना दिया है। विधायक की सदस्यता निरस्त कर दी है। वहीं पिछले 4 महीने से टीएमसी के सांसद अभिषेक बनर्जी ने लोकसभा अध्यक्ष के यहां जो याचिका दापर कर कार्यवाही की मांग की थी। मानसून

सत्र भी निकल गया। लोकसभा अध्यक्ष के यहां से तारीख का खेल खेला जा रहा है। इससे व्यथित होकर टीएमसी ने सुप्रीम कोर्ट की शरण ली। सुप्रीम कोर्ट ने भी तारीख पर तारीख का खेल खेलना शुरू कर दिया है। फैसला कब होगा, कुछ कहा नहीं जा सकता है। सॉलिसिटर जनरल भी इस मामले में सरकार की ओर से खड़े होकर बागी सांसदों और विधायकों की मदद कर रहे हैं। दल-बदल कानून को लेकर पिछले 4 वर्षों में जिस तरह से हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जाने के बाद भी जब कोई निर्णय प्राप्त नहीं होता है। महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल खत्म हो गया, दलबदलू वहां विधायक और मंत्री बने रहे। दोबारा चुनाव लड़ लिया। फैसला अभी तक नहीं आया। रही सही कसर चुनाव आयोग ने पूरी कर दी। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे और शिवसेना का चुनाव चिन्ह सीज करके नया चुनाव चिन्ह दे दिया। कुछ इसी तरह की कार्यवाही चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में की है। जिसके कारण देश में संवैधानिक संस्थाओं को लेकर जो विश्वास आमजनों के मन में था, वह विश्वास खत्म होता जा रहा है। अब यह धारणा बनने लगी है, न्यायपालिका सहित अन्य संवैधानिक संस्था जिसमें चुनाव आयोग भी शामिल है। इस सत्तारुड दल भाजपा की सुविधा को ध्यान में रखते हुए, या तो मामले को टालते हैं या ऐसा निर्णय देते हैं, जिससे क्षेत्रीय पार्टी को नुकसान उठाना पड़ता है। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे और शरद पवार की राकपा के साथ यही हुआ। अरब पश्चिम बंगाल में टीएमसी के साथ यही सब हो रहा है। आम आदमी और राजनीतिक दल इस खेल को अच्छे तरीके

जलवायु बदली, जल नीति कब?

प्रतिशत है। यह आंकड़ा केवल संकट की तस्वीर नहीं दिखाता, बल्कि उस भविष्य की ओर संकेत करता है जिसमें पानी के इस्तेमाल का मौजूदा तरीका ज्यादा समय तक नहीं चल सकता। आबादी बढ़ेगी, शहर फैलेंगे, उद्योग बढ़ेंगे और कृषि की पानी की जरूरत बनी रहेगी। ऐसे में पानी को केवल उपलब्ध संसाधन मानकर उसका अधिकाधिक दोहन करना भविष्य के संकट को आमंत्रित करना है। उपराष्ट्रपति ने तमिलनाडु में अपने बचपन के दिनों की पानी की कमी को याद करते हुए पानी बचाने को मानवता के लिए आवश्यक बताया। अब यह चिंता किसी एक क्षेत्र की नहीं रह गई है। जलवायु परिवर्तन ने वर्षा की प्रकृति, उसकी तीव्रता और वितरण को अधिक अनिश्चित बनाया है। कहीं कुछ घंटों में इतनी बारिश होती है कि शहर डूब जाते हैं और खेत तबाह हो जाते हैं, तो कहीं लंबे समय तक बारिश नहीं होती। फिर वही इलाका गर्मियों में पानी के संकट से जूझता है। बाढ़ और सूखा इसलिए दो अलग-अलग समस्याएं नहीं हैं। वे एक ही जलचक्र के दो छोर हैं। पानी को जब उसकी प्राकृतिक गति में जगह नहीं मिलती तो अधिक बारिश बाढ़ बन जाती है। वर्षा का पानी जमीन में नहीं उतरता तो कुछ महीनों बाद वही क्षेत्र भूजल संकट से घिर सकता है। यही वह बिंदु है जहां जल प्रबंधन की पारंपरिक सोच बदलने की जरूरत है। उपराष्ट्रपति ने दो दशक से अधिक पहले तमिलनाडु में लगभग 19 हजार किलोमीटर की रथयात्रा का उल्लेख किया, जिसका एक उद्देश्य नदी जोड़ने, जल संरक्षण और जल प्रबंधन के प्रति जागरूकता पैदा करना था। नदियों को आपस में जोड़ने की परियोजनाओं पर देश में लंबे समय से बहस होती रही है। इस बहस को केवल समर्थन या विरोध के नारों तक सीमित करने के बजाय वैज्ञानिक कसौटी पर परखा जाना चाहिए। नदी केवल पानी की धारा नहीं है। उसका अपना प्रवाह,

गाद, जैव-विविधता, भूजल से संबंध और किनारे रहने वाले समुदायों का जीवन होता है। इसलिए किसी भी नदी जोड़ू परियोजना का मूल्यंकन पूरे नदी-बेसिन, पर्यावरणीय प्रवाह, गाद की गति और स्थानीय समाज पर उसके प्रभाव को ध्यान में रखकर होना चाहिए। भारत की पारंपरिक जल प्रणालियां इस संदर्भ में महत्वपूर्ण संकेत देती हैं। तालाब, कुएं, आहर-पाइन, जोहड़ और बावडियां केवल पानी जमा करने की संरचनाएं नहीं थीं। वे स्थानीय जल अनुशासन का हिस्सा थीं। वर्षा कहाँ रुकेगी, खेत तक पानी कैसे पहुंचेगा और भूजल कैसे भरेगा—इन सवालों के स्थानीय उत्तर समाज ने अपने अनुभव से विकसित किए थे। लेकिन परंपरा का अर्थ अतीत में लौटना नहीं है। पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक विज्ञान के साथ जोड़ना होगा। स्थानीय अनुभव को जल-विज्ञान, उपग्रह आंकड़ों, भूजल अध्ययन और मौसम संबंधी पूर्वानुमानों से जोड़कर ही भविष्य की टिकाऊ जल व्यवस्था बनाई जा सकती है। उपराष्ट्रपति ने नदी-बेसिन प्रबंधन, भूजल पुनर्भरण, वर्षाजल संचयन और बेहतर सिंचाई को एकीकृत रणनीति का हिस्सा बनाने की बात कही है। यह जल नीति के लिए जरूरी दिशा है। नदी किसी राज्य की सीमा देखकर अपना रास्ता नहीं बदलती। भूजल भी प्रशासनिक सीमा के आधार पर अपना व्यवहार नहीं करता। इसलिए जल सुरक्षा के लिए राज्यों के बीच सहयोग जरूरी है। जल बंटवारे का प्रश्न केवल यह नहीं होना चाहिए कि किस राज्य को कितना पानी मिलेगा। यह भी देखना होगा कि नदी और उसके पारिस्थितिकी तंत्र के लिए कितना पानी बचा रहेगा। नदी से जितना पानी लिया जा सकता है, उतना ले लेना और नदी को उसकी जरूरत के मुताबिक पानी देना एक बात नहीं है। पर्यावरणीय प्रवाह नदी की जीवन-रेखा है। मछलियों, डॉल्फिन, जलीय

वनस्पतियों, नदी किनारे की जैव-विविधता और नदी पर निर्भर समुदायों का जीवन इसी प्रवाह से जुड़ा है। इसी संदर्भ में जलाशयों की तलछट का प्रबंधन महत्वपूर्ण है। जल सप्ताह के अवसर पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग आधारित एकीकृत जलाशय तलछट प्रबंधन की शुरुआत की गई है। तकनीक जल प्रबंधन को अधिक सटीक और पूर्वानुमान आधारित बनाने में मदद कर सकती है। लेकिन गाद को केवल निकालकर बाहर कर देना समाधान नहीं है।

गाद नदी की प्राकृतिक प्रक्रिया का हिस्सा है। उसका स्रोत, प्रवाह, जमाव और आगे का परिवहन समझे बिना केवल निकासी करने से समस्या दूसरे स्थान पर पहुंच सकती है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता जल प्रवाह और तलछट का आकलन कर सकती है, लेकिन नदी से जुड़े समुदायों के अनुभव का विकल्प नहीं हो सकता। तकनीक को निर्णय लेने का सहायक बनाना होगा, निर्णय का अकेला आधार नहीं।

कृषि जल उपयोग का सबसे बड़ा क्षेत्र है। यहां जल दक्षता बढ़ाना जरूरी है। सिंचाई की बेहतर तकनीक, वर्षाजल का उपयोग और भूजल पर दबाव कम करना जल सुरक्षा के लिए अनिवार्य हैं। लेकिन किसान से केवल यह कहना पर्याप्त नहीं कि वह कम पानी वाली फसल उगाए। फसल का बाजार, कीमत, खरीद व्यवस्था और किसान की आय भी जल नीति का हिस्सा हैं। पानी बचाने की पूरी कीमत डॉि किसान ही चुकाएगा तो जल संरक्षण सामाजिक न्याय से दूर हो जाएगा। शहरों में भी तस्वीर तेजी से बदल रही है। जल की मांग बढ़ रही है, लेकिन वर्षाजल को जमीन में उतारने की जगह कम होती जा रही है। प्राकृतिक जलवापराओं, तालाबों और भूजल पुनर्भरण क्षेत्रों पर बढ़ता दबाव वर्षा के पानी को जमीन में जाने से रोकता है। तेज बारिश में जलभराव और गर्मियों में पानी की कमी—दोनों एक ही शहरी नियोजन की कमजोरी का परिणाम हो सकते हैं।

अंत्योदय : विकसित भारत की मानवीय आधारशिला



आजीविका तथा कौशल-विकास को महत्व दिया था। सरकार ने उस समय ग्रामीण एवं शहरी गरीबों के उत्थान के लिए कौशल विकास और आजीविका के अवसरों को विस्तार देने की बात कही थी। आज आवश्यकता इस सोच को और व्यापक बनाने की है। अंत्योदय को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कौशल, आवास, पोषण, वित्तीय समावेशन, डिजिटल कनेक्टिविटी और सामाजिक सुरक्षा के बीच एक समन्वित दृष्टिकोण बनाना होगा।

भारत की अर्थव्यवस्था के विस्तार के साथ यह जिम्मेदारी भी बढ़ती है। सरकार आंकड़ों के अनुसार 2025-26 में वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.7 प्रतिशत रही और 2026-27 की पहली तिमाही में यह 7.8 प्रतिशत रही। भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य भी सार्वजनिक नीति और आर्थिक विमर्श में प्रमुखता से व्यक्त किया गया है, 2026 के केंद्रीय बजट पर प्रधानमंत्री की प्रतिक्रिया में भी यह लक्ष्य दोहराया गया। लेकिन आर्थिक महाराष्ट्र बनने की यात्रा तभी व्यापक अर्थों में सफल होगी, जब आर्थिक शक्ति का सामाजिक आधार भी उतना ही मजबूत हो। विश्वगुरु बनने की आकांक्षा केवल विश्व को जान देने से पूरी नहीं होगी, अपने समाज के अंतिम व्यक्ति को गरिमापूर्ण जीवन देने से भी उसकी परीक्षा होगी। भारत की प्राचीन चेतना में 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' और 'वसुधैव कुटुम्बक' जैसे विचार रहे हैं। अंत्योदय इसी मानवीय परंपरा का आधुनिक सामाजिक-आर्थिक रूप बना जा सकता है। यह कहता है कि राष्ट्र की समृद्धि का अर्थ केवल कुछ लोगों की समृद्धि नहीं, बल्कि समूचे समाज की उन्नति है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की स्मृति को जीवंत रखने का सबसे सार्थक तरीका केवल उनके चित्र पर

माल्यार्पण करना नहीं, बल्कि उनके विचार के मानवीय पक्ष को व्यवहार में उतारना है। उनका जीवन सादगी, संगठन, राष्ट्रसेवा और वैचारिक प्रतिबद्धता से जुड़ा रहा। उनका अंत्योदय दर्शन आने वाली पीढ़ियों को यह प्रश्न पढ़ने की प्रेरणा देता है कि हमारे विकास का अंतिम लाभार्थी कौन है और क्या वह वास्तव में विकास की मुख्यधारा में आ पाया है?

2047 का विकसित भारत केवल सरकार के प्रयासों से नहीं बनेगा। इसके लिए शासन, समाज, उद्योग, स्वयंसेवी संस्थाओं, शिक्षण संस्थानों और नागरिकों-सभी की भागीदारी आवश्यक होगी। गांवों में स्थानीय उद्यमिता बढ़ानी होगी, युवाओं को कौशल देना होगा, शिक्षा की गुणवत्ता सुधारनी होगी, स्वास्थ्य सेवाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना होगा और सरकारी योजनाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना होगा। डिजिटल सार्वजनिक अवसरचना और नई तकनीकें इस पहुंच को तेज कर सकती हैं, 2026 में नीति आयोग की डीपीआई-2047 रूपरेखा ने भी डिजिटल अवसरचना को समावेशी और उत्पादकता-आधारित विकास से जोड़ा है। अंत्योदय का सबसे बड़ा संदेश यही है कि राष्ट्र की प्रगति को ऊपर से नीचे नहीं, नीचे से ऊपर भी देखना होगा। जब अंतिम गांव आगे बढ़ेगा, भारत आगे बढ़ेगा। जब अंतिम परिवार आत्मनिर्भर होगा, भारत मजबूत होगा। जब अंतिम बच्चा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पाएगा, भारत का भविष्य मजबूत होगा। जब अंतिम श्रमिक को सम्मान और सुरक्षा मिलेगी, भारत की विकास यात्रा अधिक मानवीय होगी।

अंत्योदय दिवस इसलिए केवल 25 सितंबर का एक स्मृति-दिवस नहीं होना चाहिए। इसे राष्ट्र के विकास की नैतिक कसौटी बनाने की आवश्यकता है। दीनदयाल उपाध्याय की स्मृति को युगों तक जीवित रखने वाला सबसे प्रभावी स्मारक कोई भवन या प्रतिमा नहीं, बल्कि ऐसा भारत होगा जिसमें अंतिम व्यक्ति स्वयं को व्यवस्था से बाहर नहीं, बल्कि राष्ट्र की मुख्यधारा का सम्मानित भागीदार महसूस करे। विकसित भारत की ऊंचाई उसकी आर्थिक शक्ति से दिखाई देगी, लेकिन उसकी वास्तविक महानता इस बात से पहचानी जाएगी कि उसकी विकास-यात्रा कितनी दूर तक और कितने लोगों तक पहुंची है। अंत्योदय उसी यात्रा का मानवीय आधार है। 2047 का भारत यदि समृद्ध, सशक्त, आत्मनिर्भर और न्यायपूर्ण बनना चाहता है, तो विकास की हर मंजिल पर उसे एक बार पीछे मुड़कर उस अंतिम व्यक्ति को देखना होगा-क्योंकि जिस दिन अंतिम व्यक्ति का उदय होगा, उसी दिन भारत के उदय की पूर्णता होगी। (लेखक, पत्रकार, स्तंभकार) (यह लेखक के व्यक्तित्व विचार हैं। इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है।)

दबाव का जवाब स्वदेशी की ताकत से ही दिया जा सकता है। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने "स्वदेशी अपनाओ - देश बचाओ", "अमेरिकी उत्पादों का बहिष्कार करो" जैसे नारे लगाए तथा दबाववाहियों से स्वदेशी उत्पादों की बढ़ावा देने और आत्मनिर्भर भारत को मजबूत करने का आह्वान किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से डॉ. खयान सिंह, कृष्ण पाल शर्मा, रवि सेनी, जोगेन्द्र सिंह जाटव, अंकुर नागर, राजीव मिश्र, डॉ. राजीव शुक्ला सहित गजरोला इकाई के बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

झूलते बिजली के तारों से ग्रामीण परेशान, हादसे की आशंका

बरसात में पानी भरने से बढ़ जाता है खतरा, ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर तार ऊंचे कराने की उठाई मांग



बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद में विकासखंड बहजोई के गांव रमपुरा में बिजली के नीचे लटकें तार ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब बने हुए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि तार काफी नीचे होने के कारण हादसे की आशंका बनी रहती है। बरसात के दिनों में यहां पानी भी भर जाता है, जिससे खतरा और बढ़ जाता है। ग्रामीणों के अनुसार, कई



ग्रामीणों ने गांव में लगे एक ट्रांसफार्मर पर फेंसिंग नहीं होने का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने ट्रांसफार्मर के चारों ओर सुरक्षा के लिए फेंसिंग कराने की मांग की, ताकि बच्चे और पशु उसके संपर्क में न आ सकें। मामले में बिजलीघर बहजोई के एसडीओ से जानकारी लेने के लिए फोन किया गया, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया।

अमरोहा में श्रमिकों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का किया गया आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- सेवा संकल्प अभियान के अन्तर्गत श्रम विभाग द्वारा श्रमिकों के सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण हेतु विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को कार्यालय श्रम प्रवर्तन अधिकारी, अमरोहा (श्रम विभाग) द्वारा मुख्य चिकित्साधिकारी अमरोहा के सहयोग से मैसर्स सी०एल० गुप्ता एक्सपोर्ट लि०, चौधरपुर, अमरोहा में श्रमिकों के सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का



आयोजन किया गया। इस शिविर में 250 से अधिक श्रमिकों ने अपना

स्वास्थ्य परीक्षण कराया। शिविर में श्रमिकों को आवश्यक निःशुल्क

दवाओं का वितरण भी किया गया। शिविर के दौरान श्रम प्रवर्तन अधिकारी अमरोहा मोनिका गौतम एवं उनके स्टाफ के साथ-साथ जिला चिकित्सालय अमरोहा के चिकित्सक एवं पैरा मेडिकल स्टाफ उपस्थित रहे। श्रम प्रवर्तन अधिकारी द्वारा मौके पर ही श्रम विभाग की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी भी श्रमिकों को प्रदान की गई।

कानपुर में 250 करोड़ की साइबर ठगी नेटवर्क का पदार्पाश, 11T गेट से चार ठग गिरफ्तार

कानपुर। साइबर अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान का साइबर क्राइम सेल, रावतपुर और कल्याणपुर पुलिस की संयुक्त टीम ने करीब 250 करोड़ रुपये की साइबर ठगी से जुड़े नेटवर्क का राजफाश किया है। टीम ने गुरुवार को आईआईटी गेट से चार साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है। आरोपित कूटरचित आधार कार्ड तैयार कर उसके आधार पर म्यूल खते खुलवाते थे। इन खातों का इस्तेमाल साइबर ठगी से अर्जित रकम के लेनदेन के लिए किया जाता था। डीसीपी पश्चिम एसएम कासिम आविदी ने बताया कि रावतपुर थाने में धोखाधड़ी, कूटरचित दस्तावेज



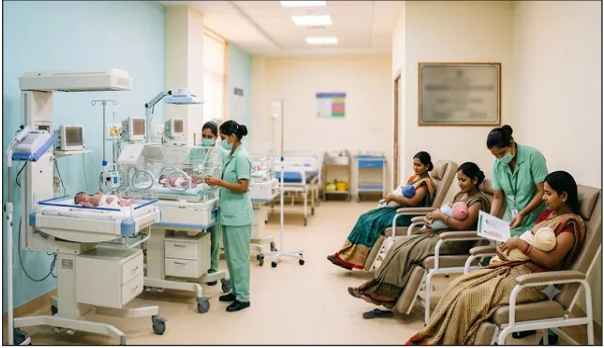
तैयार करने और आइटी एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। जिसके आधार पर औरैया के विपिन और शिवप्रताप को गिरफ्तार किया गया। जब एनसीआरपी पोर्टल पर जांच की गई तो एक ऐसा खाता

सामने आया जिसमें तीन दिन के भीतर आठ करोड़ रुपये का लेनदेन हुआ। इस खाते को लेकर विभिन्न राज्यों में 115 शिकायतें दर्ज थीं। पूछताछ में औरैया के बिधुना निवासी राजशेखर उर्फ अजीत और कापुर

देहात के रनियां का हिमांशु गौतम का नाम सामने आया। डीसीपी ने बताया कि पूछताछ में चारों ने कूटरचित आधार कार्ड तैयार कर म्यूल खाते खुलवाने और इन खातों के जरिये ऑनलाइन ठगी की रकम का लेनदेन करने की जानकारी दी है। साइबर ठगों का मास्टर माईंड राजशेखर था जो कूटरचित दस्तावेजों के माध्यम से म्यूल खाते खुलवाता था। जबकि हिमांशु गौतम ने विजय नगर चौराहे पर आर्बिट बिल्ड इंफ्रास्ट्रक्चर के नाम से एक ऑफिस खोला था। घटना का राजफाश करने वाली पुलिस टीम को डीसीपी ने 25 हजार रुपये का इनाम देने की घोषणा की है।

नवजातों की देखभाल के लिए यूपी में खुलेंगी 416 नई एनबीएसयू यूनिट, 75 जिलों में स्थापित होंगी 329 कंगारू मदर केयर इकाइयां

लखनऊ। जन्म के बाद कमजोर, कम वजन या गंभीर हालत वाले नवजातों को इलाज के लिए दूर के चिकित्सालयों तक नहीं जाना पड़ेगा। ऐसे बच्चों को जन्म के तुरंत बाद उपचार और निगरानी उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश में 416 नयी न्यूबॉर्न स्टेबलाइजेशन यूनिट (एनबीएसयू) स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। वर्तमान में 417 एनबीएसयू कार्यरत हैं। नयी इकाइयां शुरू होने के बाद प्रदेश में इनकी संख्या 833 हो जाएगी। इससे नवजातों की हालत स्थिर करने के लिए उपचार दिया जाएगा, नवजात मृत्यु दर में कमी भी आएगी। सांस लेने में परेशानी वाले बच्चों के उपचार के लिए 146 बबल सीपैप मशीनें भी खरीदी गई



हैं। समय से पहले जन्म लेने वाले और कम वजन के बच्चों की देखभाल के लिए प्रदेश के 75 जिलों में 329 कंगारू मदर केयर इकाइयां स्थापित हैं। इनमें मां के शरीर की गर्माहट और दूसरी जरूरी देखभाल के जरिए कमजोर नवजातों की

देखभाल की जाती है। माता-पिता को बच्चे के खान-पान और घर पर देखभाल के तरीके भी बताए जाते हैं, ताकि अस्पताल से छुट्टी के बाद नवजात की देखभाल में कोई कमी न रहे। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएसएम) की निदेशक डा. पंकि

जोवल ने बताया कि नवजातों की देखभाल के लिए होम बेस्ड न्यूबॉर्न केयर (एचबीएनसी) कार्यक्रम भी चल रहा है।

इसके तहत आशा कार्यकर्ता प्रसव के बाद 42 दिनों तक घर जाकर नवजात के स्वास्थ्य की निगरानी करती हैं। माताओं और परिवार के सदस्यों को स्तनपान, स्वच्छता और शिशु की देखभाल के बारे में जानकारी दी जाती है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में आशा कार्यकर्ताओं ने 39,31,993 नवजातों के घरों का भ्रमण किया। इन भ्रमणों के दौरान नवजातों के स्वास्थ्य के निगरानी, बीमारी या खतरे के लक्षणों की पहचान और इलाज किया गया है।

69000 शिक्षकों की भर्ती के मामले में दोनों पक्षों की दलील पूरी, अब 29 को अगली सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

लखनऊ। परिषदीय विद्यालयों में 69 हजार शिक्षक भर्ती में आरक्षण और चयन प्रक्रिया से जुड़े विवाद पर सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को भी सुनवाई हुई। न्यायमूर्ति एसवीएन भट्टी और न्यायमूर्ति एनवी अंजलिजा की पीठ के सामने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं ने अपनी दलीलें रखीं। सुनवाई में मुख्य रूप से शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) और शिक्षक भर्ती से जुड़े नियमों और भर्ती प्रक्रिया में उनकी भूमिका पर चर्चा हुई। अधिवक्ताओं ने अदालत को बताया कि टीईटी और शिक्षक भर्ती के नियमों को चयन प्रक्रिया से किस तरह जोड़ा जाना चाहिए। दोनों पक्षों ने अपने-अपने तर्कों और नियमों के आधार पर स्थिति स्पष्ट करने का प्रयास किया। आरक्षित वर्ग की ओर से अधिवक्ता मनदीप कालरा ने एक चार्ट प्रस्तुत कर भर्ती के नियमों और



उनके आपसी संबंध को समझाने का प्रयास किया। सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर मामला रवि कुमार सर्वेसा बनाम उत्तर प्रदेश सरकार

के नाम से लंबित है। इसमें आरक्षण, चयन प्रक्रिया, टीईटी और शिक्षक भर्ती समेत कई कानूनी प्रश्न जुड़े हैं। गुरुवार को सुनवाई पूरी नहीं हुई और

कोई अंतिम निर्णय भी नहीं आया। अब मामले की अगली सुनवाई 29 सितंबर को प्रस्तावित है। अभ्यर्थियों की नजर इस सुनवाई पर टिकी है।

महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्थापना दिवस पर सेवा संकल्प गोष्ठी का आयोजन

बहजोई /संभल (सब का सपना):- महाविद्यालय बहजोई के प्रांगण में सेवा संकल्प और राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर एक विशेष गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं में समाज सेवा की भावना को जागृत करना और उन्हें राष्ट्र के प्रति उनके कर्तव्यों का बोध कराना रहा। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. वीरेन्द्र कुमार गुप्ता ने राष्ट्रीय सेवा योजना के मूलभूत उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इस योजना की शुरुआत छात्रों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखकर की गई थी। इसके माध्यम से युवाओं में नेतृत्व क्षमता का विकास होता है और वे एक



अनुशासित व जिम्मेदार नागरिक बनने के गुण सीखते हैं। प्राचार्य ने सभी स्वयंसेवियों से आह्वान किया कि वे अपनी ऊर्जा का उपयोग समाज की भलाई में करें। उन्होंने को कहा कि युवा समाज सेवा के माध्यम से अपनी एक अमिट छाप छोड़ सकते हैं और देश की प्रगति में अपना बहुमूल्य योगदान दे सकते हैं।

गोष्ठी का कुशल संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. गीता द्वारा किया गया। उन्होंने युवाओं का मार्गदर्शन करते हुए स्वयंसेवियों से माई भारत पोर्टल पर अपना पंजीकरण कराने की अपील की। डॉ. गीता ने बताया कि इस आधुनिक डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से छात्र अधिकाधिक

गंगा एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार ट्रक ने कार में मारी टक्कर, पिता-पुत्र की मौत

पत्नी गंभीर घायल, पांच वर्षीय बेटा और चालक भी घायल, बदायूं के इस्लामनगर क्षेत्र में हुआ हादसा



बहजोई/संभल(सब का सपना):- बदायूं सीमा के पास गंगा एक्सप्रेस-वे पर गुरुवार सुबह तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से कार सवार पिता-पुत्र की मौत हो गई, जबकि महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे में कार सवार पांच वर्षीय बच्चे और चालक को भी चोटें आई हैं। हादसा सुबह करीब 10:50 बजे चैनर संख्या 31 के पास हुआ। दुर्घटना बदायूं जिले के इस्लामनगर थाना क्षेत्र में हुई, जबकि घायलों को उपचार के लिए बहजोई लाया गया। बदायूं जिले के गांव जगत निवासी जफरल हसन (40) ग्रेटर नोएडा में परिवार के साथ किराए के मकान में रहते थे। बुधवार को बदायूं के मनौना धाम, आंवला में रश्तेदारी में हुई मौत में शामिल होने के बाद परिवार उनकी ससुराल थलिया नगला पहुंचा था। गुरुवार सुबह परिवार कार से ग्रेटर नोएडा लौट रहा था। गंगा एक्सप्रेस-



वे पर चैनर संख्या 31 के पास एक ट्रक साइड लेते समय उनकी कार से टकरा गया। टक्कर इतनी तेज थी कि कार सवार सभी लोग घायल हो गए। हादसे में जफरल हसन और उनके सात वर्षीय बेटे अर्श मोहम्मद को बहजोई के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। यहां डॉक्टर सचिन वर्मा और डॉक्टर जयकिशन ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। बहजोई पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

जफरल की पत्नी नाजिश (38) गंभीर रूप से घायल हुई हैं। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उन्हें जिला अस्पताल संभल रेफर किया। हालत गंभीर होने पर अलीगढ़ रेफर किया गया, लेकिन परिजन उन्हें रुहेलखंड मेडिकल कॉलेज, बरेली लेकर चले गए। उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। वहीं जफरल के पांच वर्षीय बेटे आहिल को मामूली चोटें आई हैं। कार चालक समीर, जो दिल्ली निवासी मोहम्मद सलीम

डायट बुढनपुर में सप्तम राज्य स्तरीय कला-क्राफ्ट एवं पेपेट्री शिक्षण प्रतियोगिता का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- शिक्षा के क्षेत्र में सुधार हेतु निदेशक एससीआईआरटी लखनऊ के निदेशों के अनुपालन में दिनांक 24 सितंबर 2026 को डा. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम साभागार, डायट बुढनपुर, में सप्तम राज्य स्तरीय कला, क्राफ्ट एवं पेपेट्री के माध्यम से शिक्षण संबंधी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रभारी प्राचार्य संजय कुमार कौशल एवं वरिष्ठ प्रवक्ता सहदेव गंगवार द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। उन्होंने शिक्षा में कला, क्राफ्ट और पेपेट्री की महत्व पर प्रकाश डाला। पारदर्शिता बनाए रखने के लिए स्क्रीनिंग एवं मूल्यांकन हेतु तीन विषय विशेषज्ञ



प्रवक्ता—प्रमिला कुमारी व कु. कंचन (पं. दीनदयाल उपाध्याय राजकीय मॉडल इ.का. बुढनपुर) तथा विकास कुमार (राजकीय इ.का. बांसका कला)—को आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम की संयोजिका डा. निशु

चौधरी रहीं, जबकि संचालन डा. जीतपाल प्रवक्ता ने किया। डायट के सभी मेंटर्स एवं कार्यालय सहायकों ने सहयोग प्रदान किया। जनपद स्तर पर चर्चानित प्रतिभागी राज्य स्तर हेतु चुने गए—प्राथमिक

ट्यूबवेलों से स्टार्टर व केबल चोरी करने वाले नौ आरोपी पुलिस ने किए गिरफ्तार

कैलादेवी/संभल(सब का सपना):- जनपद के थाना कैलादेवी पुलिस ने ट्यूबवेलों से स्टार्टर और केबल चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा करते हुए नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी से संबंधित सामान, एक बुलेट मोटरसाइकिल और रेहड़ी बरामद की है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है। पुलिस के अनुसार, 18 सितंबर को ग्राम निचौरा निवासी छोटेलाल ने तहरीर देकर बताया था कि अज्ञात चोर उसके खेत पर लगे ट्यूबवेल से स्टार्टर, केबल और अन्य किसानों के ट्यूबवेलों से भी स्टार्टर व केबल चोरी कर ले गए हैं। इसके अगले दिन ग्राम अझरा निवासी विजय सिंह ने भी ट्यूबवेल से स्टार्टर व केबल चोरी होने की सूचना दी



थी। दोनों मामलों में मुकदमा दर्ज कर पुलिस टीमों का गठन किया गया था। थानाध्यक्ष सचिन कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए ग्राम सैंडा के पास अंडरापास/गंगा एक्सप्रेसवे के पास से वीरश, संजय उर्फ संजीव, रविन्द्र, सोमवीर, मोहम्मद जोशान, चांद बाबू, शहबाज, समयवीन और दिलशाद को गिरफ्तार किया। पूछताछ में

आरोपियों ने पुलिस को बताया कि उन्होंने अपने साथियों के साथ 14 सितंबर की रात ग्राम कैली पतरासी के जंगल में ट्यूबवेलों से स्टार्टर और केबल चोरी किए थे। इसके बाद 15 सितंबर की रात ग्राम अझरा सहित आसपास के जंगलों में कई ट्यूबवेलों से स्टार्टर और केबल चोरी किया। पुलिस तोड़कर उसमें से तांबा निकालकर इकट्ठा किया जाता था।

ज्ञानार्जन कर सकते हैं और अपनी क्षमताओं को निखार सकते हैं। इसके साथ ही उन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना के व्यावहारिक पहलुओं पर चर्चा करते हुए कहा कि एनएसएस से जुड़कर छात्र ग्रामीण परिवेश को बहुत करीब से जान और समझ सकते हैं। ग्रामीण जीवन की वास्तविक समस्याओं को चिन्हित करके उनका रचनात्मक समाधान निकालना ही इस योजना का वास्तविक ध्येय है। महाविद्यालय परिवार का पूर्ण सहयोग रहा। कार्यक्रम के दौरान स्टाफ सदस्य नेमपाल सिंह, यशपाल सिंह, प्रीति शर्मा, पूजा शर्मा और दीपति रानी सहित अनेक लोग उपस्थित रहे और उन्होंने व्यवस्थाएं संभालने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

के बेटे हैं, को भी हादसे में हल्की चोटें आईं। समीर के मुताबिक परिवार बदायूं से दिल्ली की ओर जा रहा था, तभी ट्रक ने कार में टक्कर मार दी। बताया गया कि जफरल के चार बेटे हैं। हादसे के समय दो बेटे ही माता-पिता के साथ थे, जबकि दो बेटों को परिवार घर पर छोड़कर आया था। पिता और सात वर्षीय बेटे की मौत की खबर से परिवार में मातम पसरा हुआ है। कोतवाली बहजोई के प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार मलिक ने बताया कि हादसे में मृत पिता-पुत्र के शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं। घायलों का उपचार कराया गया है। हादसा बदायूं के इस्लामनगर थाना क्षेत्र में हुआ है और संबंधित पुलिस को घटना की जानकारी दे दी गई है। पुलिस हादसे से जुड़े तथ्यों की जानकारी जुटा रही है।

स्तर पर भाषा में पूजा (प्रा.वि. कुमराला, जोया) तथा गणित में ज्योति सिंह (प्रा.वि. पखरीला हाशमपुर, जोया)। उच्च प्राथमिक स्तर पर गणित में मोहित सरन (उ.प्रा.वि. नगली शेख, अमरोहा), विज्ञान में अजब सिंह (उ.प्रा.वि. सांथलपुर, गंगेश्वरी) तथा सामाजिक विज्ञान में सीमा कुमारी (उ.प्रा.वि. रखेडा, गजरीला)।

चर्चानित प्रतिभागियों को प्रभारी प्राचार्य/उप शिक्षा निदेशक द्वारा सम्मानित किया गया। उन्होंने पैतल सदस्यों, डायट प्रवक्ताओं, कर्मचारियों एवं सभी प्रतिभागी शिक्षकों का आभार व्यक्त कर कार्यक्रम का समापन घोषित किया।

लूटकांड में एक और आरोपी गिरफ्तार, 510 रुपये बरामद

तीन आरोपी पहले ही जा चुके हैं जेल, जांच में सामने आया था सावन का नाम

बिजनौर (सब का सपना):- थाना कोतवाली शहर पुलिस ने लूट और मारपीट के मामले में वांछित एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 510 रुपये की नकदी बरामद की है। इस मामले में तीन आरोपियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। पुलिस के अनुसार, 28 अगस्त को धर्मेन्द्र के साथ लाठी-डंडों से मारपीट कर उसका मोबाइल फोन, 2200 रुपये की नकदी और प्लेटिना बाइक जब्त कर ली गई थी। आरोपियों ने धर्मेन्द्र के मोबाइल से फोन-पे के जरिए 9700 रुपये भी दूसरे खाते में



ट्रांसफर कर लिए थे। इसके बाद उसे जान से मारने की धमकी दी गई। इसी दौरान आरोपियों ने पास में खड़े दीपक के साथ भी मारपीट कर 2800 रुपये और उसकी अपाचे

बाइक छीन ली थी। हालांकि, अपाचे बाइक को आरोपी मौके पर ही छोड़कर फरार हो गए थे। घटना के संबंध में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने विवेचना शुरू की। विवेचना के

दौरान पुलिस ने फिरोज अली, अमजद खान और मुबारिक को गिरफ्तार किया था। उनके कब्जे से छिनी गई प्लेटिना बाइक और 1510 रुपये की नकदी बरामद हुई थी। तीनों आरोपियों को जेल भेज दिया गया था। विवेचना के दौरान चाहड़वाला निवासी सावन पुत्र बाकिर का नाम भी प्रकाश में आया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सावन को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 510 रुपये की नकदी बरामद की है। पुलिस मामले में आगे की आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

नगीना में गणेश महोत्सव का दसवां दिन भक्तिभाव से मनाया गया

सत्यनारायण कथा, हवन-पूजन के बाद हुआ विशाल भंडारा, गणपति बप्पा के जयकारों से गूंजा पंडाल



नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- श्री गणेश मित्र मंडल के तत्वावधान में आयोजित गणेश चतुर्थी महोत्सव के दसवें दिन गुरुवार को विशाल पंडाल में धार्मिक अनुष्ठानों के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। सुबह श्री सत्यनारायण भगवान की कथा, हवन-पूजन और आरती के बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इसमें नगर के विभिन्न मोहल्लों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। श्री सत्यनारायण कथा एवं हवन-पूजन का आयोजन डॉ.

विपिन चंद्र त्रिपाठी ने कराया। पूजा के यजमान संगठन के अध्यक्ष समीर बेरी एवं उनकी पत्नी तनु बेरी रहे। हवन-पूजन के उपरांत आयोजित भंडारे में श्रद्धालुओं को हलवा, पूड़ी और सब्जी का प्रसाद वितरित किया गया। इससे पूर्व श्री गणेश महिला मित्र मंडल की स्वाति गुप्ता, ममता अग्रवाल और स्वाति अग्रवाल की देखरेख में महिला श्रद्धालुओं तथा संगठन के पदाधिकारियों की देखरेख में पुरुष श्रद्धालुओं को बारी-बारी से आरती में शामिल कराया गया।



आरती के दौरान गणपति बप्पा मोरया सहित विभिन्न जयकारों से पंडाल गूंज उठा और वातावरण भक्तिमय हो गया। इसके बाद हलवा और बूंदी का प्रसाद वितरित किया गया। गणपति पूजन के दसवें दिन नगर में कई स्थानों पर भंडारों का भी आयोजन किया गया।

आरती के दौरान गणपति बप्पा मोरया सहित विभिन्न जयकारों से पंडाल गूंज उठा और वातावरण भक्तिमय हो गया। इसके बाद हलवा और बूंदी का प्रसाद वितरित किया गया। गणपति पूजन के दसवें दिन नगर में कई स्थानों पर भंडारों का भी आयोजन किया गया।

सरेराह फायरिंग में दो और आरोपी गिरफ्तार

315 बोर का तमंचा और जिंदा कारतूस बरामद, चार आरोपी अब तक पकड़े गए

बिजनौर(सब का सपना):- थाना कोतवाली शहर क्षेत्र में दो वाहनों के बीच हुई सरेराह फायरिंग के मामले में पुलिस ने दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से 315 बोर का अवैध तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ है। पुलिस इस मामले में पहले ही दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। पुलिस के अनुसार, 16 सितंबर को हीलर्स हॉस्पिटल से काली माता मंदिर रोड के बीच दो वाहनों में सवार लोगों के बीच फायरिंग हुई थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। सीसीटीवी फुटेज व अन्य



साक्ष्यों के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। विवेचना के दौरान नूरपुर निवासी आशुतोष उर्फ छोटू तथा धामपुर थाना क्षेत्र निवासी अमजद के नाम सामने आए। इसके बाद पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। अमजद के कब्जे से 315

बोर का तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में आयुध अधिनियम की धारा 3/25 की बढ़ोतरी की गई है। पृष्ठताछ में आशुतोष ने पुलिस को बताया कि 16 सितंबर को वह अपने साथियों

के साथ एल्टो कार में जा रहा था। उसके पीछे स्कॉर्पियो और उसके पीछे ईको स्पोर्ट कार चल रही थी। आरोप है कि ईको स्पोर्ट सवार लोगों ने स्कॉर्पियो पर फायरिंग की, जिसके बाद स्कॉर्पियो सवार लोगों ने भी जवाबी फायरिंग की। वहीं अमजद ने पुलिस को बताया कि वह अपने साथियों के साथ स्कॉर्पियो में सवार था। काली माता मंदिर के पास सफेद रंग की ईको स्पोर्ट कार में सवार लोगों ने उनकी गाड़ी पर फायरिंग की, जिसके जवाब में स्कॉर्पियो सवार लोगों ने भी तमंचों से फायरिंग की। पुलिस फायरिंग में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी है।

आलमपुरी गढ़ी मार्ग पर रजवाहे की पुलिया के नीचे मिला अज्ञात व्यक्ति का शव, पुलिस जांच में जुटी

क्षेत्राधिकारी धामपुर ने घटनास्थल पर पुलिस कार्रवाई के संबंध में दी जानकारी

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के थाना स्योहारा क्षेत्र के ग्राम आलमपुरी गढ़ी वाले रास्ते पर रजवाहे की पुलिया के नीचे पानी में एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पानी से बाहर

निकालकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। मामले के संबंध में क्षेत्राधिकारी धामपुर ने पुलिस द्वारा की जा रही कार्रवाई की जानकारी देते हुए बाइट जारी की है। आलमपुरी गढ़ी मार्ग पर रजवाहे की पुलिया के नीचे बहते पानी में एक अज्ञात व्यक्ति का शव फंसा हुआ मिला था। सूचना मिलने के

बाद पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर शव को बाहर निकाला। मृतक की उम्र करीब 32 वर्ष बताई जा रही है। पुलिस द्वारा शव की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। घटना के संबंध में क्षेत्राधिकारी धामपुर ने बताया कि स्थानीय पुलिस द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। शव की

पहचान और घटना से जुड़े अन्य तथ्यों का पता लगाने के लिए पुलिस स्तर पर जांच जारी है। पुलिस के अनुसार, मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई प्रचलित है। मृतक की पहचान और घटना के वास्तविक कारणों के संबंध में जांच पूरी होने के बाद स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

बिजनौर के शादाब रहमानी की अगुवाई में एनडीआरएफ ने जीता इंटर-जोनल स्विमिंग स्विताब

7 स्वर्ण, 1 रजत और 2 कांस्य पदक के साथ 02वीं वाहिनी एनडीआरएफ ने हासिल किया प्रथम स्थान

बिजनौर (सब का सपना):- राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (NDRF) की इंटर-जोनल स्विमिंग प्रतियोगिता-2026 में बिजनौर निवासी इंसैक्टर मोहम्मद शादाब रहमानी की अगुवाई में 02वीं वाहिनी एनडीआरएफ कोलकाता ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया। नई दिल्ली के छावला स्थित 25वीं वाहिनी बीएसएफ के स्विमिंग पूल में आयोजित प्रतियोगिता में एनडीआरएफ के चार जेनो की टीमों ने प्रतिभाग किया। 02वीं वाहिनी की टीम ने कुल 11 स्पर्धाओं में 7 स्वर्ण, 1 रजत और 2 कांस्य पदक हासिल कर प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि 13वीं वाहिनी



एनडीआरएफ की टीम उपविजेता रही। बिजनौर के मोहम्मद शादाब रहमानी ने विजेता टीम का नेतृत्व किया। टीम की सफलता पर 02वीं वाहिनी एनडीआरएफ के कमांडेंट मनीष रंजन ने सभी

खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इससे पहले अंतर-वाहिनी तैराकी प्रतियोगिता में भी 02वीं वाहिनी ने 9 स्वर्ण, 1 रजत और

1 कांस्य पदक के साथ प्रथम स्थान हासिल किया था। एनडीआरएफ के लिए तैराकी दक्षता जल आपदा के दौरान बचाव एवं राहत कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

सोने की अंगूठी ठगी का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

पीली धातु की अंगूठी और वारदात में इस्तेमाल बिना नंबर की पल्सर बरामद

बिजनौर (सब का सपना):- कोतवाली शहर पुलिस ने धोखाधड़ी कर सोने की अंगूठी ठगने के मामले का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से ठगी गई पीली धातु की अंगूठी तथा वारदात में इस्तेमाल बिना नंबर प्लेट की काले रंग की पल्सर मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस के अनुसार नगर पालिका टाउन हॉल के सामने निवासी सुभाष कुमार वर्मा ने 13 सितंबर 2026 को कोतवाली शहर में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि



दो अज्ञात व्यक्तियों ने बहला-फुसलाकर धोखाधड़ी के जरिए उनकी सोने की अंगूठी ले ली। तहरीर

के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की। विवेचना के दौरान प्रकाश में

नगीना में छात्राओं की सुरक्षा के लिए पुलिस सतर्क, अब सादी वर्दी में मनचलों पर कसी जाएगी नकेल

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- नगर में छात्राओं की सुरक्षा को लेकर स्थानीय प्रशासन और पुलिस प्रशासन मुस्तैद नजर आ रहा है। एमएम इंटर कॉलेज, आंबेडकर नगर रोड स्थित कोचिंग सेंटरों व दयूशन सेंटरों के आसपास छात्राओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नवागत थाना प्रभारी धर्मेन्द्र कुमार ने पुलिस गश्त बढ़ा दी है। पुलिस की जीप और पुलिस बल की तैनाती से असामाजिक तत्वों में हड़कंप देखने को मिल रहा है। क्षेत्रीय नागरिकों और अभिभावकों ने पुलिस प्रशासन की इस पहल का स्वागत करते हुए छात्राओं की पूर्ण सुरक्षा के लिए एक



महत्वपूर्ण सुझाव दिया है। लोगों का कहना है कि युनिफॉर्म में पुलिस जीप को देखते ही मनचले व संदिग्ध युवक तुरंत इधर-उधर हो जाते हैं। छात्राओं की शत-प्रतिशत सुरक्षा सुनिश्चित करने और बाइक पर तीन-चार सवार होकर फराटों भरने तथा

फब्तियां कसने वाले मनचलों को रोह हाथ पकड़ने के लिए क्षेत्रवासियों ने थाना प्रभारी से विशेष रणनीति की मांग की है: एंटी-रोमियो एवं स्पेशल स्क्वाड की तैनाती: स्कूल-कॉलेजों और कोचिंग सेंटरों की छुट्टी के समय सादी वर्दी में महिला व पुरुष

परमिट वाले रूट पर अवैध ई-रिक्शा-विक्रम संचालन का आरोप

बस यूनियन ने परिवहन सचिव समेत अफसरों को भेजा शिकायती पत्र, कार्रवाई की मांग

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- नगीना-नजीबाबाद प्राइवेट बस यूनियन के बस मालिकों ने नगीना से झबरी फार्म एवं नजीबाबाद मार्ग पर कथित रूप से बिना परमिट संचालित हो रहे मेट्रो रिक्शा व विक्रम के संचालन पर रोक लगाने की मांग की है। इस संबंध में यूनियन पदाधिकारियों एवं बस मालिकों ने प्रदेश के सचिव परिवहन निगम समेत जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, एआरटीओ बिजनौर सहित संबंधित अधिकारियों को हस्ताक्षरयुक्त शिकायती पत्र भेजा है। शिकायती

पत्र में बस मालिकों ने कहा है कि नगीना से झबरी फार्म और नजीबाबाद मार्ग पर परमिट प्राप्त बसों का संचालन किया जाता है। यूनियन के अनुसार, कांवड़ यात्रा के दौरान प्रशासन के निर्देशों का पालन करते हुए बस मालिकों ने करीब एक माह तक इस रूट पर बसों का संचालन बंद रखा था। आरोप है कि इस दौरान बिना संबंधित रूट का परमिट होने के बावजूद मेट्रो रिक्शा व विक्रम का संचालन किया जाता रहा। बस मालिकों का आरोप है कि परमिट वाले मार्ग पर मेट्रो रिक्शा व विक्रम

चलाए जाने से बसों का संचालन प्रभावित हो रहा है। उनका कहना है कि विरोध करने पर वाहन संचालक बस मालिकों एवं स्टॉफ के साथ विवाद और मारपीट पर अमादा हो जाते हैं। यूनियन ने कहा कि ऐसी स्थिति में प्रशासन द्वारा ही नियमों के विपरीत संचालित वाहनों पर कार्रवाई की जा सकती है। शिकायती पत्र में यह भी कहा गया है कि मेट्रो रिक्शा व विक्रम के संचालन के कारण बस मालिकों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। टैक्स और डीजल आदि का खर्च तक

निकालना मुश्किल हो रहा है। यूनियन ने संबंधित विभाग से जांच कर कथित रूप से बिना परमिट संचालित मेट्रो रिक्शा व विक्रम के खिलाफ विभागीय कार्रवाई करने तथा इस रूट पर उनके संचालन पर रोक लगाने की मांग की है। शिकायती पत्र पर अब्दुल सऊद, शमशाद अहमद, अनुज कुमार, मनोज कुमार, अख्तर अहमद समेत करीब डेढ़ दर्जन यूनियन पदाधिकारियों एवं बस मालिकों के हस्ताक्षर बताए गए हैं।

बनखला प्रकरण में AIMIM ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

सोशल मीडिया पोस्ट की जांच कर एफआईआर की मांग, धार्मिक स्थलों की सुरक्षा पर जोर

बिजनौर (सब का सपना):- बनखला गांव में मस्जिद को लेकर चल रहे विवाद के बीच ऑल इंडिया मजलिस-ए-इतेहादुल मुस्लिमीन (AIMIM) के जिलाध्यक्ष मुफ्ती रियाज मेहदी कासमी ने नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रही कथित आपत्तिजनक और भड़काऊ पोस्ट की जांच कर संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई। जापान में विशेष रूप से सोशल मीडिया पर हूहिनदू शाद दल बिजनौर पहुंच रहा है। जैसी पोस्ट तथा



कथित तौर पर मस्जिदों को गिराने संबंधी पोस्ट की जांच करने, पोस्ट करने वालों की पहचान कर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की

मांग की गई। अक्टूबर पदाधिकारियों ने कहा कि धार्मिक स्थलों को नुकसान पहुंचाने, भीड़ जुटाने अथवा कानून हाथ में लेने की किसी भी

यूपी की जेलों में घटी ओवरक्राउडिंग, योगी सरकार के साढ़े 9 वर्षों में 1.77 से घटकर 1.03 हुई दर

लखनऊ। योगी सरकार प्रदेश की जेल व्यवस्था को आधुनिक, सुरक्षित और मानवीय बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। बढ़ती बंदी संख्या और जेलों में ओवरक्राउडिंग की समस्या को दूर करने के लिए योगी सरकार ने एक ओर नई जेलों के निर्माण को गति दी है, जिससे जेलों में ओवरक्राउडिंग दर में कमी दर्ज की गई। पिछले साढ़े नौ वर्षों में जेलों में ओवरक्राउडिंग दर घटकर 1.03 हुई वर्तमान में प्रदेश में कुल 77 कारागार संचालित हैं, जिनमें 7



केंद्रीय कारागार, 2 महिला केंद्रीय कारागार, 64 जिला कारागार, 1 विशेष कारागार, 2 उप कारागार तथा 1 किशोर सदन शामिल है। योगी सरकार के पिछले साढ़े नौ वर्षों में जेल अवसंरचना के विस्तार का ही परिणाम है कि प्रदेश की जेल क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2017 में प्रदेश की 70 जेलों की कुल बंदी क्षमता 58,400 थी, जबकि वर्ष 2026 तक यह बढ़कर 77,673 हो गई है। इस अवधि में जेलों में ओवरक्राउडिंग दर भी काफी कम हुई है। वर्ष 2017 में जहां ओवरक्राउडिंग दर 1.77 थी, वह

वर्ष 2026 में घटकर 1.03 रह गई है। यह कमी योगी सरकार द्वारा जेलों के विस्तार, नई जेलों के निर्माण और अतिरिक्त क्षमता सृजन के लिए किए गए प्रयासों का प्रत्यक्ष परिणाम है। योगी सरकार ने वर्ष 2017 के बाद से अब तक सात नई जेलों का संचालन शुरू किया है। इनमें चित्रकूट, अंबेडकरनगर, संतकबीरनगर, इटावा केंद्रीय कारागार, प्रयागराज, श्रावस्ती तथा पुरानी जिला कारागार बरेली शामिल हैं। इन नई जेलों से कुल 10,495 बंदियों की अतिरिक्त क्षमता विसर्जित हुई है, जिससे विभिन्न जनपदों की जेलों पर दबाव कम हुआ है। योगी

चल रहा है। अमेठी और महोबा में बन रही नई जिला जेलों का निर्माण लगभग अंतिम चरण में पहुंच चुका है। अमेठी जेल का कार्य 98 प्रतिशत से अधिक तथा महोबा जेल का कार्य 93 प्रतिशत से अधिक पूरा हो चुका है। इनके अतिरिक्त हाथरस, कुशीनगर, जौनपुर और हापुड़ में भी नई जेलों का निर्माण तेजी से जारी है। इन छह निर्माणाधीन जेलों की कुल क्षमता 6,156 बंदियों की होगी। योगी सरकार का लक्ष्य है कि अधिकांश परियोजनाएं वर्ष 2026 तक पूर्ण कर ली जाएं। संभल, बलिया और शामली में जेल के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया तेज जेल अवसंरचना के विस्तार के साथ-साथ सरकार उन जिलों में भी नई जेलों का संचालन की तैयारी कर रही है, जहां भूमि क्राय एवं पंजीकरण की प्रक्रिया चल रही है। संभल, शामली, बलिया, सहारनपुर, अमरोहा और चंदौली में प्रस्तावित जेलों के लिए भूमि अधिग्रहण और पंजीकरण की कार्रवाई प्रगति पर है। इनमें से कई परियोजनाओं के लिए शासन स्तर पर करोड़ों रुपये की धनराशि स्वीकृत की जा चुकी है।

फतेहपुर में अतिक्रमण हटाओ अभियान, SDM सदर के आदेश पर नगरपालिका की कार्रवाई

फतेहपुर (सब का सपना):- शहर को जाम मुक्त और सुव्यवस्थित करने के लिए प्रशासन ने अतिक्रमण के खिलाफ सख्त रुख अपना लिया है। एसडीएम सदर के आदेश पर नगर पालिका परिषद फतेहपुर ने शहर के मुख्य क्षेत्रों बस स्टैंड, शांतिनगर और जीटी रोड च्वालागंज में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। अभियान से पहले नगर पालिका की प्रचार गाड़ी ने पूरे क्षेत्र में लाउडस्पीकर से मुनादी कर दुकानदारों और ठेला-पटरी वालों को चेतावनी दी। मुनादी में कहा गया कि सभी लोग दोनों पटरी



से अपना-अपना सामान शीघ्र अपने हाथों से हटा लें, अन्यथा कुछ ही समय बाद अतिक्रमण हटाओ

अभियान चलेगा। जो भी सामान पाया जाएगा, वह जब्त कर लिया जाएगा और आपके विरुद्ध कठोर कानूनी

कार्रवाई की जाएगी। अधिकारी आ चुके हैं, जेसीबी और गाड़ी पीछे आ रही है। मुनादी के दौरान बस स्टैंड चौराहे पर नगर पालिका कर्मी मौजूद रहे और लोगों को नाले के पार सामान करने की हिदायत दी। अभियान की सूचना से दुकानदारों में हड़कंप मच गया और कई लोगों ने स्वयं ही अपना सामान हटाना शुरू कर दिया। नगर पालिका अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान लगातार जारी रहेगा ताकि शहर की सड़कों और फुटपाथ को अतिक्रमण मुक्त कराया जा सके।

सेवा संकल्प अभियान के तहत 130 श्रमिकों की हुई स्वास्थ्य जांच

निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में श्रमिकों को वितरित की गई दवाएं

बुलन्दशहर (सब का सपना):- श्रम विभाग बुलन्दशहर द्वारा सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत श्रमिकों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। सहायक श्रम आयुक्त, बुलन्दशहर के निर्देशन में सिकन्द्राबाद स्थित हेड गुडलक समयपालक इंडस्ट्रीज, ए-59 में आयोजित शिविर में श्रमिकों के स्वास्थ्य की जांच कर उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श एवं उपचार उपलब्ध कराया गया। शिविर में मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा नामित



चिकित्सकों की टीम ने करीब 130 श्रमिकों के स्वास्थ्य की जांच की। चिकित्सकों ने श्रमिकों को स्वास्थ्य

के प्रति जागरूक करते हुए सामान्य बीमारियों से बचाव एवं स्वस्थ जीवनशैली के संबंध में आवश्यक

जानकारी दी। जांच के दौरान जरूरतमंद श्रमिकों को सामान्य बीमारियों के लिए निःशुल्क दवाएं भी उपलब्ध कराई गईं। स्वास्थ्य जांच शिविर के दौरान श्रम प्रवर्तन अधिकारी, सिकन्द्राबाद, सहायक निदेशक कारखाना, बुलन्दशहर सहित श्रम विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने शिविर की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए श्रमिकों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली।

अतिक्रमण पर पालिका ने लगाए लाल निशान



त्योहारों से पहले मुख्य मार्गों को अतिक्रमणमुक्त कराने की तैयारी **जहांगीराबाद/बुलन्दशहर(सब का सपना):-** आगामी त्योहारों को देखते हुए नगर पालिका प्रशासन ने अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी तेज कर दी है। ईओ ओम गिरी के निर्देश पर गुरुवार को पालिका टीम ने प्रमुख मार्गों और बाजारों में अतिक्रमण की सीमा तय करते हुए लाल निशान लगाए। व्यापारियों को अतिक्रमण स्वयं हटाने के लिए दिए गए 15 दिन की समय-सीमा पूरी होने के बाद यह कार्रवाई की गई है। पालिका अधिकारियों ने बताया कि लाल निशान के दायरे में आने वाले अतिक्रमण को नियमानुसार हटایा जाएगा। इससे व्यापारियों और दुकानदारों में हलचल बढ़ गई है।

जंतर-मंतर में नहीं मिली अनुमति तो फतेहपुर में गरजी आजाद समाज पार्टी, 24 सूत्रीय मांगों को लेकर डीएम को सौंपा झापन



फतेहपुर (सब का सपना):- कलेक्ट्रेट में गुरुवार आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) ने जोरदार प्रदर्शन किया। पार्टी के जिलाध्यक्ष संजय कुमार वर्मा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने SC, ST, OBC, महिलाओं और वंचित वर्गों के सामाजिक न्याय और समान अवसर की 24 सूत्री मांगों को लेकर धरना दिया।इस दौरान कार्यकर्ताओं के हाथों में तख्तियां थीं जिन पर लिखा था फनीस बढोदारी बंद करो, शिक्षा को सस्ता करो और सरकार बदलना है जिलाध्यक्ष संजय वर्मा ने बताया कि ये संपूर्ण भागीदारी महाआंदोलन आज दिल्ली की जंतर-मंतर पर होना था, लेकिन दिल्ली प्रशासन ने अनुमति नहीं दी। इसके बाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और नगीना सांसद एडवोकेट चंद्रशेखर आजाद के आह्वान पर पूरे देश में जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन किया जा रहा है।आजाद समाज पार्टी ने झापन के माध्यम से मांगों के जल्द समाधान की मांग उठाई है।

ग्यारहवीं शरीफ पर सपा कार्यकर्ता शेर मोहम्मद अल्वी ने कराया सामूहिक भोज



बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई में ग्यारहवीं शरीफ के अवसर पर समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता शेर मोहम्मद अल्वी की ओर से लोगों के लिए सामूहिक भोजन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर भोजन किया और आयोजक की ओर से किए गए इस आयोजन की सराहना की। ग्यारहवीं शरीफ के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में लोगों को भोजन कराया गया। इस दौरान आपसी भाईचारे, सौहार्द और एकता का संदेश दिया गया। आयोजक शेर मोहम्मद अल्वी ने कहा कि धार्मिक अवसरों पर जरूरतमंदों और आम लोगों को भोजन कराना नेक कार्य है। ऐसे आयोजनों से समाज में आपसी प्रेम और भाईचारा बढ़ता है। उन्होंने कहा कि समाज में सभी लोगों को मिल-जुलकर रहना चाहिए और एक-दूसरे की खुशियों में शामिल होना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई, जहां आने वाले लोगों ने तबर्क भोजन ग्रहण किया। आयोजन में शांतिपूर्ण लोगों के साथ सपा कार्यकर्ता एवं समर्थक भी मौजूद रहे। कार्यक्रम स्थातिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। लोगों ने आयोजन के लिए शेर मोहम्मद अल्वी का आभार व्यक्त किया

छिनैती के मामले में एक आरोपी गिरफ्तार, कुंडल और तमंचा बरामद

कुड़फतेहगढ़/संभल(सब का सपना):- थाना पुलिस ने 28 अगस्त को पति-पत्नी से हुई छिनैती की घटना का खुलासा करते हुए गुरुवार को एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से दो कुंडल, 400 रुपये नकद, एक अवैध 12 बोर तमंचा और दो जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, ग्राम कोररा थाना फैजगंज बहेठा जनपद बदायूं निवासी सोनू पुत्र धर्मवीर सिंह ने तहरीर देकर बताया थी कि 28 अगस्त को वह अपनी पत्नी के साथ बिलारी क्षेत्र के ग्राम शाहपुर से अपने गांव लौट रहा था। डारनी बिजली घर के पास तीन अज्ञात लोगों ने उसकी पत्नी के कानों के कुंडल आदि छीन लिए और फरार हो गए थे। मामले में थाना कुड़फतेहगढ़ में मुकदमा दर्ज किया गया था।गुरुवार को पुलिस टीम



चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर शहबाजपुर तिराहे के पास झाड़ियों की आड़ में खड़े गंगासहाय पुत्र सोमपाल सिंह, उम्र करीब 30 वर्ष, को गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से छिनैती के दो कुंडल और 400 रुपये नकद तथा अवैध तमंचा व कारतूस बरामद हुए। पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसने अपने साथी जहांगीर पुत्र

महमूद और हारुन पुत्र महमूद के साथ मिलकर 28 अगस्त को डारनी बिजली घर के पास मोटरसाइकिल से जा रहे पति-पत्नी से छिनैती की थी। आरोपी ने बताया कि वह गुरुवार को भी अपने दोनों साथियों के इंतजार में घटना को अंजाम देने के लिए वहां खड़ा था। बरामद कुंडल उसी घटना में छीने गए थे। पुलिस ने गिरफ्तारी और बरामदगी के आधार पर मुकदमे में आम्स एक्ट की धारा बढ़ाई है।

'इन्होंने ही मांगी थी रिश्त...' पूर्व डीआईजी भुल्लर और बिचौलिये को देख जज के सामने बोला शिकायतकर्ता

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस के निलंबित डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। आठ लाख रुपये रिश्तवत मामले में शिकायतकर्ता आकाश बत्ता ने वीरवार को सीबीआई कोर्ट में भुल्लर और बिचौलिये कृष्ण शारदा को पहचान कर ली। कोर्ट के आदेश पर पहली बार शिकायतकर्ता को गवाही के लिए बुलाया गया था। गवाही से पहले जज ने उन्हें भुल्लर और कृष्ण की पहचान करने के लिए कहा। भुल्लर उस समय कोर्ट में मौजूद थे और जबकि कृष्ण को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश किया गया। आकाश ने दोनों को देखकर बता दिया कि इन्होंने ही उससे रिश्तवत की मांग की थी। इसके बाद आकाश ने गवाही के दौरान सीबीआई को दिए पुराने बयानों को दोहराया। वह अपने बयानों पर कायम रहा, जिससे सीबीआई का केस और मजबूत हो गया।आकाश ने बताया कि उसके खिलाफ एक आपराधिक मामला लंबित था और उसमें गिरफ्तारी का डर

दो दिन की नवजात को गोद में लेकर स्टेशन पर घूम रहा था नशे में धुत पिता, बच्ची बेचने की सूचना पर GRP ने पकड़ा



जालंधर। जालंधर के रेलवे स्टेशन पर दो दिन की नवजात बच्ची को गोद में लेकर शराब के नशे में घूम रहे एक व्यक्ति को राजकीय रेलवे पुलिस ने हिरासत में लिया। पुलिस को फोन पर सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति नवजात बच्ची को बेचने के लिए स्टेशन पर घूम रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और बच्ची को अपने संरक्षण में लेकर उसकी हालत की जांच करवाई। बाद में पड़ताछ में पता चला कि बच्ची को बेचने की बात सही नहीं थी। बच्ची उसी व्यक्ति की बेटी निकली। पुलिस ने बच्ची की हालत को देखते हुए उसे तुरंत सिविल अस्पताल में भर्ती करवाया। प्राथमिक पुछताछ में व्यक्ति ने अपना नाम मनोज कुमार बताया। वह मूल रूप से मुगलसराय, बनारस का रहने वाला है और फिलहाल जगतपुर जुट्टा, फगवाड़ा में रह रहा था। मनोज ने पुलिस को बताया कि उसकी पत्नी की मौत हो चुकी है और बच्ची उसकी है। पुलिस जांच में बाद में सामने आया कि मनोज शराब के नशे में बच्ची को लेकर घर से कहीं निकल गया था। उसके इस तरह चले जाने के बाद परिवार में भी चिंता फैल गई। उसकी पत्नी उषा उसे तलाशते हुए गांव पहुंच गईं।राजकीय रेलवे पुलिस के थाना प्रभारी बलवीर सिंह कुमार ने मामले की जानकारी जुटाने के लिए गांव में संपर्क किया। वहां ग्रामीणों ने बताया कि मनोज अक्सर शराब के नशे में हंगामा करता रहता है और उसके व्यवहार से गांव के लोग भी परेशान हैं। ग्रामीणों से बातचीत के बाद पुलिस को बच्ची बेचने की सूचना की पुष्टि नहीं हुई। पुलिस ने मामले की जांच के दौरान गांव के महेंद्र सिंह और हरप्रत सिंह से भी जानकारी ली। उन्होंने बताया कि मनोज उनके यहां पशुओं की देखभाल करता है। मनोज के पहले से तीन बच्चे भी हैं। ग्रामीणों के अनुसार, शराब के नशे में होने के कारण वह बच्ची को लेकर घर से निकल गया था और उसे यह समझ नहीं थी कि वह कहाँ जा रहा है। इस बीच पुलिस की ओर से बच्ची को अस्पताल में भर्ती करवाकर उसकी चिकित्सकीय जांच करवाई गई। बाद में उसकी मां भी अस्पताल पहुंच गईं। चिकित्सकों ने जांच के बाद मां और नवजात बच्ची दोनों को स्वस्थ बताया मां और बच्ची को किया परिवार के हवाले बच्ची की स्थिति सामान्य होने और परिवार की पहचान की पुष्टि के बाद पुलिस ने आवश्यक पुछताछ की। ग्रामीणों के बयान और जांच के आधार पर पुलिस ने मनोज कुमार, उसकी पत्नी उषा और नवजात बच्ची को उनके परिवार के हवाले कर दिया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, शुरूआती सूचना में बच्ची को बेचने की आशंका जताई गई थी, इसलिए मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई की गई। जांच के दौरान बच्ची को बेचने से संबंधित कोई तथ्य सामने नहीं आया। पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया कि व्यक्ति शराब के नशे में था और इसी हालत में वह बच्ची को लेकर स्टेशन पहुंच गया था। मामले में पुलिस ने बच्ची की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए पहले उसे संरक्षण में लिया और अस्पताल में चिकित्सकीय जांच करवाई। परिवार की पहचान और ग्रामीणों के बयानों की पुष्टि के बाद बच्ची को उसकी मां के पास सौंप दिया गया।



करेंगे जोकि इस केस में काफी अहम साबित होगा। भुल्लर के घर से मिले थे साढ़े सात करोड़ कैश पिछले साल सीबीआई ने भुल्लर को गिरफ्तार किया था। तत्काल के बाद उनके सेक्टर-40 स्थित घर पर छापेमारी की गई थी। सीबीआई ने वहां से करीब साढ़े सात करोड़ रुपये कैश, करीब छह किलो सोना और महंगी घड़ियां बरामद की थीं। सीबीआई ने भुल्लर के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का अलग मामला भी दर्ज किया था। प्रवर्तन निदेशालय ने भी उनके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामले की जांच शुरू की थी।

जालंधर सिविल अस्पताल में मदद का इंतजार करती रही महिला, लैब के बाहर ही बच्चे को दे दिया जन्म

जालंधर। जालंधर के सिविल अस्पताल में सोमवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक महिला ने कृष्ण लैब के बाहर ही बच्चे को जन्म दे दिया। महिला को प्रसव पीड़ा होने के बाद अस्पताल का स्टाफ उसके लिए स्ट्रेचर लेकर पहुंचा, लेकिन इससे पहले ही उसने बच्चे को जन्म दे दिया। घटना के बाद महिला और नवजात को तुरंत अस्पताल में भर्ती किया गया। फिलहाल दोनों की हालत स्वस्थ बताई जा रही है। महिला की पहचान गोत्या निवासी सुशीला के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि सुशीला के पहले से चार बच्चे हैं और यह उसका पांचवां बच्चा है। महिला जांच के लिए अस्पताल पहुंची थी। इसी दौरान उसे अचानक तेज प्रसव पीड़ा होने लगी। वह कृष्ण लैब के बाहर खड़ी थी।डाक्टरों ने देखा तो मंगाया स्ट्रेचर अस्पताल की मेडिकल सुपरिटेण्डेंट डॉ.



नमिता घई ने बताया कि डॉक्टर राउंड पर जा रहे थे। इसी दौरान उनकी नजर महिला पर पड़ी। महिला को तेज प्रसव पीड़ा हो रही थी। डॉक्टरों ने तुरंत महिला को देखते हुए तत्काल अस्पताल के स्टाफ को स्ट्रेचर लाने के लिए कहा, ताकि महिला को प्रसव कक्ष तक पहुंचाया जा सके।स्टाफ स्ट्रेचर लेकर मौके पर पहुंचा,

लेकिन तब तक महिला की प्रसव पीड़ा काफी बढ़ चुकी थी। महिला ने स्ट्रेचर पर ही बच्चे को जन्म दे दिया। इसके बाद चिकित्सकों और स्टाफ ने तुरंत महिला और नवजात को संभाला तथा दोनों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया।बददलती पर उठा सवाल इस घटना के दौरान अस्पताल की

व्यवस्था से जुड़ा एक और सवाल सामने आया। जिस स्ट्रेचर पर महिला ने बच्चे को जन्म दिया, उस पर चादर तक नहीं बिछी थी। अस्पताल में प्रसव जैसी स्थिति में मरीज को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने के साथ जरूरी स्वच्छता व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठे। मेडिकल सुपरिटेण्डेंट डॉ. नमिता घई ने इस संबंध में कहा कि घटना अचानक हुई थी और महिला को तेज प्रसव पीड़ा हो रही थी। आपात स्थिति को देखते हुए स्टाफ ने बिना समय गंवाए स्ट्रेचर पहुंचाया। जल्दबाजी के कारण उस पर चादर नहीं बिछाई जा सकी। अस्पताल प्रशासन के अनुसार प्रसव के बाद महिला और नवजात को तत्काल चिकित्सकीय देखरेख में लिया गया। दोनों की हालत फिलहाल ठीक बताई जा रही है। चिकित्सकों की निगरानी में महिला और बच्चे को आवश्यक उपचार दिया गया।

जालंधर में युवक की संदिग्ध मौत, स्कूल के बाहर मिले इंजेक्शन, पूर्व विधायक शीतल अंगुराल प्रबंधन पर भड़के

जालंधर। जालंधर वेस्ट हलके में नशे की ओवरडोज से एक युवक की मौत के बाद इलाके में नशे के खिलाफ कार्रवाई की मांग तेज हो गई है। भाजपा नेता शीतल अंगुराल ने घटनास्थल और आसपास के हालात को लेकर चिंता जताते हुए पुलिस प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि एक तरफ एक परिवार ने अपना जवान बेटा खो दिया है, वहीं दूसरी तरफ जिस इलाके में छोटे बच्चे पढ़ने के लिए स्कूल जाते हैं, वहां नशे का सामान और इस्तेमाल की गई सिरिंजें मिलना गंभीर चिंता का विषय है। शीतल अंगुराल ने कहा कि पीड़ित परिवार अपने बच्चे की मौत के मामले में इंसाफ की मांग कर रहा है।इन्होंने कहा कि परिवार को न्याय दिलाने के साथ-

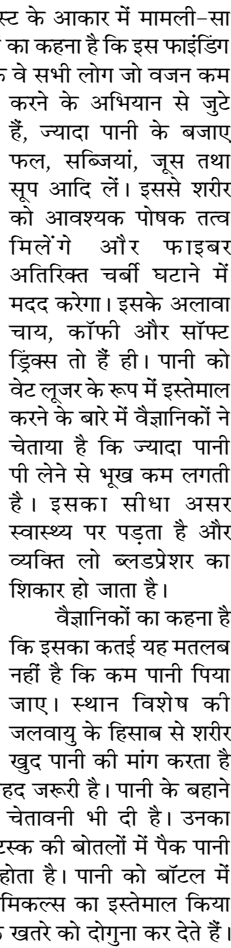


साथ इलाके के उन मासूम बच्चों का भविष्य सुरक्षित करना भी जरूरी है, जो रोजाना इसी माहौल से होकर स्कूल पहुंचते हैं। उन्होंने कहा कि वह और उनकी टीम इस दुख की घड़ी में पीड़ित मां और परिवार की साथ खड़े हैं।मामले को बताया गंभीर उन्होंने बताया कि संबंधित क्षेत्र गरीब बस्ती है, जहां तीन से छह वर्ष तक के छोटे बच्चे स्कूल में पढ़ने आते

हैं। उनका कहना था कि स्कूल के बाहर नशे के इंजेक्शन की सिरिंज, कैप्सूल और चिट्ठे की खाली पिनियां बिखरी हुई दिखाई देती हैं। अंगुराल ने कहा कि माता-पिता अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा और सुरक्षित माहौल की उम्मीद से स्कूल भेजते हैं, लेकिन स्कूल के बाहर नशे से जुड़ी सामग्री मिलना बेहद गंभीर स्थिति है। स्कूल प्रबंधन पर भी उठे सवाल अंगुराल ने स्कूल प्रशासन की भूमिका पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि स्कूल प्रबंधन की जिम्मेदारी केवल फीस वसूलने तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि बच्चों की सुरक्षा और

उनके आसपास के वातावरण पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि इलाके के आसपास पुलिस थाने होने के बावजूद नशे का यह कथित कारोबार चिंता का विषय है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस पर राजनीतिगत दबाव है और वह स्वतंत्र रूप से कार्रवाई नहीं कर पा रही।पुलिस कमिश्नर से परिया में आने की अपील की भाजपा नेता ने पुलिस कमिश्नर से अपील की कि वह स्वयं गरीब बस्ती में पहुंचकर मौके के हालात देखें और नशे के खिलाफ तत्काल सख्त कार्रवाई के निर्देश दें। उन्होंने कहा कि इस लड़ाई में वह, कुनाल शर्मा और शक्ति भगत पीड़ित परिवार के साथ हर कदम पर खड़े रहेंगे।

जल आधारित भोजन से कुछ घटता ही है वजन



बच्चों की अच्छी डाइट भी फिटनेस के लिए बहुत जरूरी है। बच्चों को प्रोटीन, विटामिन, कार्बोहाइड्रेट्स सही मात्रा में मिलना चाहिए क्योंकि बच्चों के मसल्स डवलप होते समय उनको यह मिलने से उनकी ग्रोथ भी अच्छी होगी। इन सब बातों का ध्यान देने से बच्चे फिट और सही हाइट का लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं।

कि सूर्य के प्रकाश से प्राप्त होने वाला विटामिन डी मनुष्य दर में कमी लाता है। यही विटामिन कैल्शियम के अवशोषण में शरीर को मदद करता है। 'दी डेली टेलीग्राफ' के अनुसार मुख्य अनुसंधानकर्ता हेराल्ड जेब्सिंग का कहना है कि यह पहला संयुक्त अध्ययन है जिसमें यह पाया चला है कि विटामिन डी मनुष्य दर को प्रभावित करता है और इसका मनुष्य के प्राथमिक कारण से कोई लेना देना नहीं है। दूध और सालमोन मछली में विटामिन डी पाया जाता है। इसकी कमी से बच्चों को रिकेट्स बीमारी और बड़ों को गठिया हो सकता है। अध्ययन में औसतन 62 वर्ष आयुवर्ग के 3200 से अधिक लोगों का अनुसंधानकर्ताओं ने परीक्षण किया।

	सूचीक 4018 का हल									
■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के एक भरे जाने आवश्यक है।	6	3	7	2	1	5	4	8	9	8
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में किसी भी एक को पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रहे।	9	8	4	7	3	7	6	5	2	1
■ पहले से मौजूद एक को आप हटा नहीं सकते।	2	5	1	9	4	8	7	3	6	9
■ पहली का केवल एक ही हल है।	3	6	8	5	9	7	1	4	2	8
	7	2	9	4	8	1	6	5	3	7
	4	1	5	6	3	2	8	9	7	1
	5	7	6	8	3	2	9	3	1	4
	8	4	2	1	6	3	9	7	5	8
	1	9	3	7	5	4	2	6	8	7

	1		2			3		4	
5				6				7	8
		9	10						
11		12			13		14	15	
				16					
	17						18		
			19	20		21			22
23						24	25		

3. रूई की फसल-3
5. वंश, खानदान-2
6. आह, पीड़ा भारी ध्वनि-3
7. जो, इच्छा, चित्त-2
9. पहनना-3
11. दास, नौकर, सेवक-5
14. अग्रि, अग्र-4
16. चयनित, स्वीकृत-4
17. जाति, संप्रदाय-2
18. उस समय-2
19. आदत, व्यवहार-4
20. इलाका मोची-3
21. मूल्य, स्थिति-4
22. वाता, लोहे क
23. टुकड़ा-2
24. भार के बीच में, अघर में-2,2
3. आफत, आपदा-3
4. एक समान-2
5. गृहपति, चांसलर-4
6. दाना-2
10. रीतिकृत, प्रतिरूप-3
11. श्रेष्ठ धनराशि-3
12. प्रेम, आसक्ति-3
13. नीर, जल-2

1. बाड़ू के पाँच में लगन वाला लोह का टुकड़ा-2
2. धारा के बीच में, अधर में-2,2
3. आफत, आपदा-3
4. एक समान-2
5. गृहपति, चांसलर-4
25. स्मरण करने योग्य-4
26. अदा, चंचला-3
27. पूड़ी, गोलगप्पा-2
29. पिता की बहन-2
31. उर्वरक, गाय के गोबर से बना पदार्थ जो खेत में डाला जाता है-2

क		य	की	रं	शै
र	प	ख	र	दि	गा
ता	ड	ना	बा	ज	ना
र	ह	प	दा	त	री
नी	गै	र	म	जा	स
र	वि	म	न	न	स
ग	ज	रा	फा	ह	की
र	म	ह	सू	क	र
म	रा	त	खै	नी	
सो	म	ना	थ	य	ल
				गा	र



शोभिता धुलिपाला स्टारर 'वेद्वम' की दुनिया आई सामने



साउथ सिनमा मच अवेटेड फिल्म 'वेद्वम' का टीजर या यूँ कहें कि 'वेद्वम' की दुनिया को समझाने के लिए मेकर्स ने एक वीडियो जारी किया है। इस फिल्म की कहानी पंकज त्रिपाठी सुना रहे हैं और शुरुआत भी उनकी ही झलक के साथ की गई है। वीडियो की शुरुआत में कुछ ऐसी झलकियाँ हैं जो आपके पुराने दौर में लेकर जाती हैं। पंकज त्रिपाठी की आवाज में इस फिल्म का ताना-बाना बुना गया है। इस फिल्म में दर्शक अलग-अलग गुटों के बीच जमीन पर अपना दबदाबा कायम करने की लड़ाई देख सकते हैं। इन लड़ाइयों को पुराने समय के भारत की पारंपरिक युद्ध तकनीकों के आधार पर तैयार किया गया है और इसी वजह से पूरी कास्ट ने अलग-अलग तरह की मार्शल आर्ट्स में महारत हासिल करने के लिए कड़ी ट्रेनिंग ली है!

सबसे ज्यादा इंतजार की जा रही झलक से पर्दा उठा दिया है

पा. रंजीत अपनी फिल्म 'वेद्वम' के ऐलान के साथ पैन-इंडिया फिल्मों की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं, ऐसे में खबर सामने आने के साथ ही लोगों में इस लेकर जबरदस्त उत्साह देखने मिल रहा है। मेकर्स ने घोषणा के समय किए वादे के मुताबिक

आज फिल्म की सबसे ज्यादा इंतजार की जा रही झलक से पर्दा उठा दिया है। बता दें कि यह कुछ ऐसा है जिसे कभी किसी ने नहीं देखा है। फिल्म की कहानी अलग-अलग समय में लेकर जाती है, जिसमें दर्शक कई कलाकारों को अपनी भूमिका निभाते देखेंगे। इसके साथ ही यह बात भी साफ हो गयी है कि फिल्म डायरेक्टर हार बार की तरह इस बार भी कुछ अलग करते हुए पैन इंडिया लेवल पर हलचल मचाने वाले हैं।

वह हमारे आने वाले कल यानी भविष्य को आकार दे सकते हैं

मेकर्स ने एक वीडियो शेयर किया है जिसमें 'वेद्वम' की दुनिया को देखा जा सकता है। कई भाषों में शेयर किए गए वीडियो में जहां हिंदी में पंकज त्रिपाठी की आवाज है, वहीं तमिल वर्जन में पा. रंजीत, तेलुगु में राणा दग्गुबाती, कन्नड़ में किच्चा सुदीप और मलयालम में सीबिन शाहिर की आवाज सुनाने मिल रही है। बता दें कि वे सभी वीडियो में फिल्म के अलग-अलग पहलुओं के बारे में बता करते हुए उनपर रोशनी डाल रहे हैं। फिल्म बीते हुए कल के उन नतीजों पर रोशनी डालती है, जिनका असर हमारे आज पर पड़ रहा है और वह हमारे आने वाले

कल यानी भविष्य को आकार दे सकते हैं। यह चीजे आखिरकार प्राकृतिक आपदाओं का कारण बन सकती हैं। बताया गया है कि यह बार-बार आने वाली आपदाएं इंसानों के भविष्य पर बड़ा असर डालकर उसे प्रभावित कर सकती हैं। एक्टर्स की भी दमदार झलक देखने मिल रही है मेकर्स द्वारा शेयर किये गए दिलचस्प फर्स्ट लुक में कई गुटों के बीच वर्चस्व की लड़ाई लड़ते हुए दिखाया गया है, इसी लड़ाई को फिल्म में 'वेतुवम' का नाम दिया गया है। इस फिल्म के जरिए मल्लखंब को अलग नजरिये से दिखाया गया है।

तमिल, तेलुगु, हिंदी, मलयालम और कन्नड़ में रिलीज के लिए तैयार

इस फिल्म को पा. रंजीत ने सिर्फ डायरेक्टर कर रहे हैं बल्कि उन्होंने इसे लिखा भी है। यह फिल्म तमिल, तेलुगु, हिंदी, मलयालम, और कन्नड़ में एक पैन-इंडिया रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म को एस. साई देवानंद, एस. साई वैकटेश्वरन, और पा. रंजीत द्वारा प्रोड्यूस किया जा रहा है। फिल्म को 'लर्न एंड टीच प्रोडक्शन' और 'नीलम प्रोडक्शंस' के बैनर तले बनाया जा रहा है, जो दिसंबर 2026 में रिलीज के लिए तैयार है।

पा. रंजीत अपनी फिल्म 'वेद्वम' के साथ वापसी कर रहे हैं

इसके साथ ही फिल्म के म्यूजिक को उसकी कहानी के हिसाब से जी. वी. प्रकाश कुमार बना रहे हैं, जो साजिश की एक और परत जोड़ता है। कहना होगा की



म्यूजिक पा. रंजीत द्वारा बनाई हुई दुनिया के इर्द-गिर्द एक अनोखी आभा बनाता है। बात करें पा. रंजीत की तो उन्हें सुपरहिट फिल्म्स जैसे 'कबाली', 'काला', 'सरपट्टा परमबराई', और 'थंगलान' को डायरेक्टर करने के लिए जाना है। जैसे की पा. रंजीत अपनी फिल्म 'वेद्वम' के साथ वापसी कर रहे हैं, ऐसे में इसे बड़े पैमाने पर बनाये जाने की उम्मीद है।

फिल्म 'तुम मेरे हो' में गुरमीत चौधरी संग रोमांस करेंगी ईशा मालवीय

'बिग बॉस 17' फेम ईशा मालवीय जल्द फिल्म 'तुम मेरे हो' के साथ बॉलीवुड में कदम रखने जा रही हैं। गुरुवार को मेकर्स ने उनकी इस हिंदी फिल्म के कई पोस्टर जारी किए। खास बात ये है कि इस मूवी में वह टीवी के पॉपुलर अभिनेता गुरमीत चौधरी के साथ स्क्रीन शेयर करते हुए दिखाई देंगी। गुरमीत ने अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर फिल्म के पोस्टर शेयर किए हैं, जिसमें देखने को मिला कि दोनों रोमांस में खोए हुए नजर आ रहे हैं। पहले पोस्टर में दोनों लिपलॉक करते नजर आए और आगे के पोस्टर में भी दोनों का रोमांटिक अंदाज देखने को मिला।

कब रिलीज होगी फिल्म

इन पोस्टर को शेयर करते हुए अभिनेता ने कैप्शन में लिखा, 'तुम मेरे हो' की दुनिया में डुबकी लगाओ। फिल्म 23 अक्टूबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। क्योंकि कई बार, प्यार में पड़ना आसान होता है, लेकिन इसके बाद जो

होता है, वो कहानी है।' बता दें कि गुरमीत चौधरी ही ईशा को बॉलीवुड में लॉन्च कर रहे हैं। फिल्म का निर्देशन आशीष पांडा ने किया है और यह रेवा क्रिएटिव हाउस और देबगुरु फिल्मस के बैनर तले बनाई गई है। वहीं, फिल्म को आरती एस और देबिना बनर्जी ने प्रोड्यूस किया है।

